उत्तराखंड में सुरक्षा को लेकर अलर्ट मोड पर धामी सरकार

रावण को प्रतिनायक मानने वाले शब्द से प्रकाशमान हुए डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण'

प्रकाशन का गौरवशाली 14वाँ वर्ष

दिव्य हिमगिरि

हिमालयी राज्यों की पहली साप्ताहिक पत्रिका

नज़र सब पर

वर्ष 14 | अंक 51 | मूल्य 15 रुपये | 11-17 मई, 2025

आतंक के आका को सबक सिखाने का सही समय

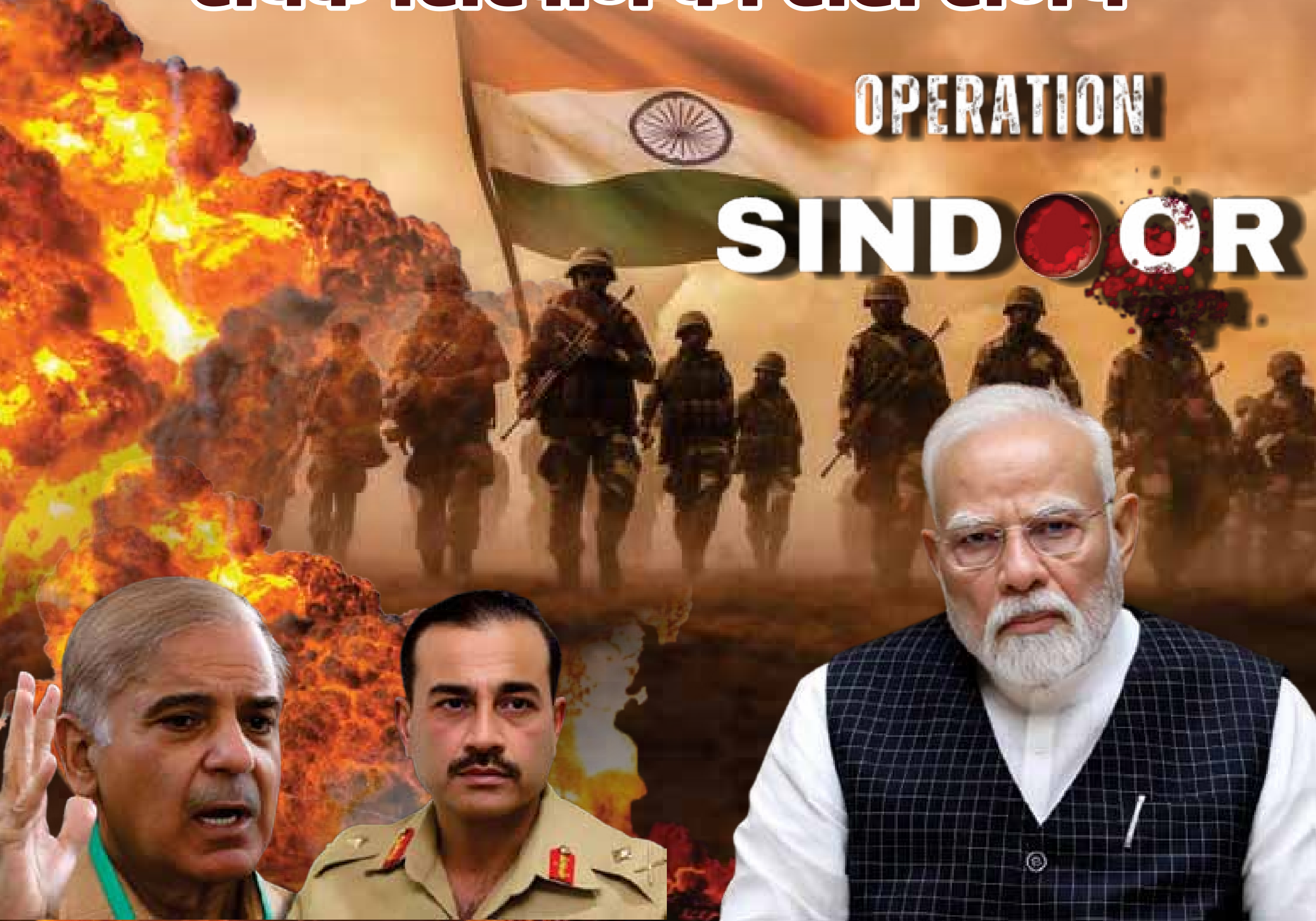

EXPERIENCE HELI TOUR WITH

Himgiri
Aviation & Tourism

3N/4D TOUR

Do Dham

YATRA BY HELICOPTOR

LIMITED SEATS ARE LEFT **BOOK NOW**

Contact for Reservation **8433456398, 9410353164**

Email: himgiritourism@gmail.com

6 Municipal Road, Opps. Bala hissar Academy, Dalanwala, Dehradun-248001 (UK)

वर्ष 14 | अंक 51

दिव्य हिमगिरि

11-17 मई, 2025

संपादक
कुँवर राज अस्थाना

वरिष्ठ संवाददाता
शंभूनाथ गौतम

ब्यूरो प्रमुख
मोनिका डबराल

विज्ञापन
पूनम आर्या

ग्राफिक डिजायनर
देव भट्ट

संवाददाता
हरिद्वार : डॉ. रजनीश गौतम
पौडी : रत्नमणि भट्ट
कोटद्वार : के.पी. बौंठियाल
रूद्रपुर : हेमचन्द्र बुडलाकोटी
चमोली : मुकेश रावत
रुड़की : श्रीगोपाल नारसन
नैनीताल : शीतल तिवारी
अल्मोड़ा : संजय कुमार अग्रवाल (एड.)
विकासनगर : अजय शर्मा
प्रसार : रमेश सिंह रावत

संपादकीय कार्यालय : 6, म्युनिसिपल रोड, बाला हिसार स्कूल के सामने, डालनवाला देहरादून (उत्तराखंड)
मोबाइल : +91 8433456398, 9410353164
Email: divyahimgiriddn@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक कुँवर बहादुर अस्थाना द्वारा सरस्वती प्रेस, 2, ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित तथा 39/7 ई, ई. सी. रोड, (निकट मार्शल स्कूल सीनियर विंग) देहरादून-248001 उत्तराखण्ड से प्रकाशित। संपादक: कुँवर बहादुर अस्थाना*

*(पीआरबी एक्ट के तहत प्रकाशित सामग्री के लिए उत्तरदायी)

साख को बचाने की पहल

न्यायाधीश यशवंत वर्मा मामले में शीर्ष न्यायालय की ओर से नियुक्त तीन न्यायाधीशों की जांच समिति का निष्कर्ष बेहद गंभीर है। समिति की जांच रपट से उजागर तस्वीर चिंताजनक है। गौरतलब है कि आरोपी न्यायाधीश ने अपने ऊपर लगे आरोपों को षडयंत्र बताया था, लेकिन जांच समिति ने गहन छानबीन के बाद उन सभी आरोपों की पुष्टि कर दी है। साथ ही, प्रधान न्यायाधीश ने उन्हें पद छोड़ने को कह दिया है। अब इस प्रकरण को हल्के में नहीं लिया जा सकता। इसमें कोई दोराय नहीं कि अगर किसी मामले में जजों पर उंगली उठे तो त्वरित कार्रवाई न्यायपालिका की साख के लिए आवश्यक है। न्यायाधीश वर्मा के घर में आग लगने के बाद वहां से जली हुई नोटों की गडिड्यां मिलने पर शीर्ष न्यायालय ने मामले को गंभीरता से लिया था। उससे उम्मीद बंधी थी कि इसमें पारदर्शिता के साथ कदम उठाए जाएंगे। दरअसल, बीते मार्च में दिल्ली उच्च न्यायालय के तत्कालीन न्यायाधीश वर्मा के सरकारी निवास पर आग लगी थी, जिसे बुझाते वक्त वहां भारी मात्रा में नकदी मिली थी। इस पर उनसे जवाब तलब किया गया, तो उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार कर दिया था। प्रारंभिक जांच के बाद उनसे न्यायिक कार्य वापस लेकर उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेज दिया गया था। इस प्रकरण में जांच शुरू होने और जांच समिति का निष्कर्ष आने तक पूरे घटनाक्रम पर शीर्ष न्यायालय ने अपनी नजर बनाए रखी। इस मामले में उसका कड़ा रुख था। समिति को तार्किक नतीजे पर पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी है। उसने इस मामले से संबंधित सभी लोगों से पूछताछ की और तमाम साक्ष्यों का विश्लेषण किया। इसके बाद कुछ छिपा नहीं रह गया। अंततः समिति ने न्यायाधीश पर लगे आरोपों को सही बताया। जब भी किसी न्यायाधीश पर भ्रष्ट आचरण का आरोप लगता है, तो उससे आम आदमी का न्याय प्रणाली से भरोसा डगमगाने लगता है। इसलिए ऐसे मामलों की न केवल तुरंत पारदर्शी जांच, बल्कि उचित कार्रवाई की अपेक्षा भी की जाती है। जांच समिति की रपट के बाद उम्मीद बनी है कि न्यायाधीश वर्मा के खिलाफ त्वरित, उचित और मिसाल बनने लायक निर्णय होगा। यहां गौर करने लायक बात यह भी है कि न्यायाधीश वर्मा पर लगे आरोपों के बाद सुप्रीम कोर्ट अपनी साख को लेकर बहुत ही संजीदा हो गया था हालांकि उसने कोई त्वरित कार्यवाही नहीं की बल्कि जो भी किया वह एक पारदर्शी जांच के बाद किया। इसी बीच देश के सर्वोच्च न्यायालय की ओर से एक अहम पहल की गई है। इसके तहत यह फैसला लिया गया है कि शीर्ष अदालत के प्रधान न्यायाधीश और अन्य सभी जज अपनी संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करेंगे। हालांकि यह स्वैच्छिक आधार पर किया जाएगा। यानी न्यायाधीशों ने किसी कानूनी बाध्यता की वजह से नहीं, बल्कि स्वेच्छा से अपनी संपत्ति का विवरण सार्वजनिक करने का फैसला किया है। लेकिन भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के उपायों में पारदर्शिता को एक सबसे अहम कड़ी माना जाता रहा है। यही वजह है कि सांस्थानिक स्तर पर उच्च पदों पर नियुक्त लोगों की संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करने को लेकर अक्सर आवाज उठती रही है। सुप्रीम कोर्ट की यह पहल न केवल पादर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त समाज की एक कड़ी है बल्कि साख को बनाए रखने की पहल भी है।

कुँवर राज अस्थाना

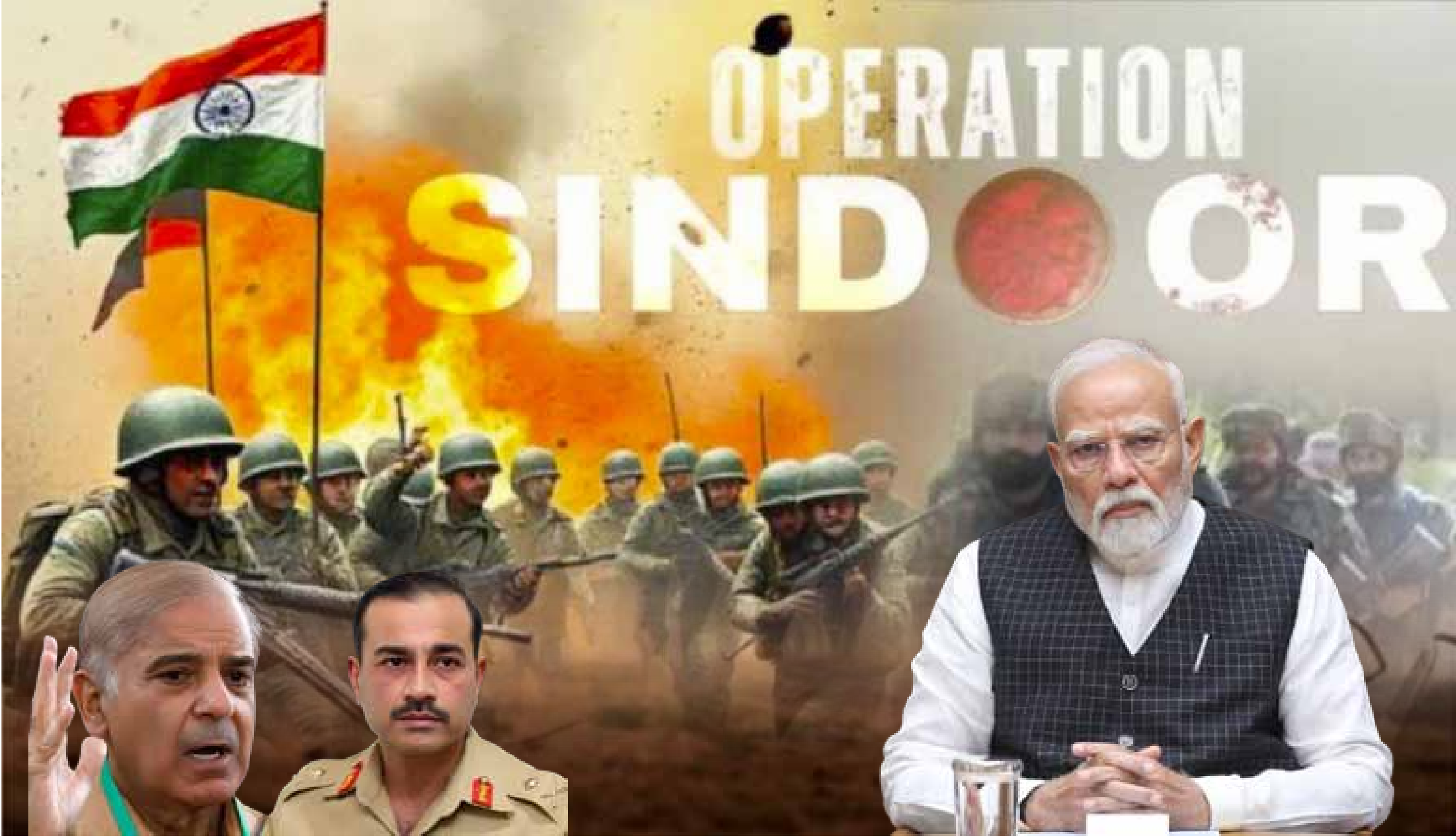

आतंक के आका को सबक सिखाने का सही समय

शंभू नाथ गौतम
वरिष्ठ पत्रकार

भारत और पाकिस्तान चौथी बार युद्ध के कगार पर खड़े हुए हैं। 21 अप्रैल साल 2025 तक देश में सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था। इसके अगले दिन 22 अप्रैल को पाकिस्तान से आए आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में धर्म पूछकर 26 टूरिस्ट की हत्या कर दी थी। पहलगाम में आतंकी हमले की साजिश के बाद, भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। भारतीय सेना ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में कई आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। भारत ने 7 मई को पाकिस्तान और पीओके में बने जैश और लश्कर के ठिकानों पर हमला किया था। 9 आतंकी ठिकानों भारत ने ध्वस्त किया था, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। गुरुवार और शक्रवार रात भारत-पाक के बीच सैन्य झड़पें तेज हुई। जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइल हमले नाकाम हुए, भारत ने इस्लामाबाद, लाहौर और सियालकोट पर जवाबी हमले किए। कई भारतीय शहरों में ब्लैकआउट रहा। पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, अजीत डोभाल और भारतीय सेना पूरी तरह से तैयार है।

26 साल बाद एक बार फिर पाकिस्तान ने भारत से टकराने की कोशिश की है। इससे पहले 1965, 1971 फिर (1999 कारगिल) पाकिस्तान भारत से टकराया था। इन तीनों युद्धों में भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। इसके बावजूद यह बेशर्म देश समय-समय पर भारत को चुनौती देता रहा है। भारत और पाकिस्तान चौथी बार युद्ध के कगार पर खड़े हुए हैं। 21 अप्रैल साल 2025 तक देश में सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था। इसके अगले दिन 22 अप्रैल को पाकिस्तान से आए आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में धर्म पूछकर 26 टूरिस्ट की हत्या कर दी थी। महिलाओं और बच्चों के सामने पुरुषों को सिर और सीने में गोली मारी थी। महिलाओं से कहा था- तुम्हें इसलिए छोड़ रहे हैं कि जाकर मोदी को बता देना। घटना के दौरान प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब में थे। वे दौरा बीच में ही छोड़कर देश लौटे और कैबिनेट की मीटिंग बुलाई। 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। इसके बाद सेना के अफसरों से मिले और कहा सेना कार्रवाई के लिए जगह और समय तय करे। इस बार सबसे खास बात यह है कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, अजीत डोभाल और भारतीय सेना पूरी तरह से तैयार है। देश के एक अरब 40 करोड़ नागरिकों में भी

पाकिस्तान से बदला लेने के लिए जोश भरा हुआ है। मोदी के नेतृत्व में सेना ने 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 में एयर स्ट्राइक करके इस मिथ को तोड़ा था कि पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई समस्या बन सकती है। 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में आत्मघाती हमले में 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे। इसके जवाब में 26 फरवरी को भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट में स्थित जैश-ए-मोहम्मद के ट्रेनिंग कैंप पर एयरस्ट्राइक की। यह 1971 युद्ध के बाद पहली बार था, जब भारत ने पाकिस्तान की सीमा के अंदर जाकर एयरस्ट्राइक की। उस समय पाकिस्तान की परमाणु धमकी भी फुस्स हो गई। एक बार फिर पाकिस्तान परमाणु बम की धमकी दे रहा है। पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी सार्वजनिक रूप से आतंकियों और सरपरस्तों को मिट्टी में मिलाने की घोषणा कर रहे थे और इसकी तैयारी के संकेत भी दे रहे हैं। केंद्र सरकार की ओर से सभी राज्यों को अलर्ट रहने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। पहलगाम में आतंकी हमले की साजिश के बाद, भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। भारतीय सेना ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में कई आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। भारत ने 7 मई को पाकिस्तान और पीओके में बने जैश और लश्कर के ठिकानों पर हमला किया था। कुल 9 आतंकी ठिकानों भारत ने ध्वस्त किया था, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। इन्हीं आतंकियों में 5 ऐसे खूंखार आतंकी शामिल थे, जिन्होंने भारत में कई बड़े हमलों को अंजाम दिया था। भारत की एयर स्ट्राइक के बाद से जैश चीफ मसूद अजहर और लश्कर चीफ हाफिज सईद भी गायब है। दोनों नजर नहीं आया है। मसूद अजहर के परिवार के तो 10 सदस्य भी भारत के एयर स्ट्राइक में मारे गए हैं। जिसमें बहन से लेकर जीजा तक और भांजे से लेकर भाई तक शामिल हैं। जिसके बाद दोनों देशों के बीच जंग जैसे हालात बन गए हैं। पाकिस्तानी संसद में प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भी भारत से बदला लेने की धमकी दी। गुरुवार और शक्रवार रात भारत-पाक के बीच सैन्य झड़पें तेज हुई। जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइल हमले नाकाम हुए, भारत ने इस्लामाबाद, लाहौर और सियालकोट पर जवाबी हमले किए। कई भारतीय शहरों में ब्लैकआउट रहा। पाकिस्तानी सेना ने भारत के कई ठिकानों पर बड़े हमले करने का दावा किया है। इसमें पंजाब में ब्रह्मोस मिसाइल स्टोरेज फैसेलिटी, उरी सप्लाई डिपो, राजस्थान का सूरतगढ़ एयरफील्ड, आदमपुर में एस-400 सिस्टम, देहरंग्यारी में आर्टिलरी

पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह चर्चा में

विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के साथ तनाव को लेकर लगातार चौथे दिन शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। विदेश सचिव विक्रम मिसरी, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। विक्रम मिसरी ने कहा- पाकिस्तान दावा कर रहा है कि उन्होंने क्या किया। वे लगातार भारी झूठ बोल रहे हैं। पाकिस्तान की सरकारी एजेंसियां बोल रही हैं कि उन्होंने भारत में कई मिलिट्री फैसिलिटी को ध्वस्त किया है। मेरे साथियों ने इसकी सच्चाई आपको बता दी है। पाकिस्तान झूठ बोल रहा है। सिरसा एयरफोर्स स्टेशन को तबाह करने का उनका दावा पूरी तरह झूठा है। सूरतगढ़ एयरफोर्स बेस, आदमपुर में एस-400 बेस को तबाह करने का दावा पूरी तरह झूठा है। महत्वपूर्ण इन्फ्रास्ट्रक्चर, पावर सिस्टम, साइबर सिस्टम पर हमला करने और उन्हें तबाह करने के दावे झूठे हैं। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की जानकारी जब देश-दुनिया को दी गई, तो उस मंच पर एक महिला सैन्य अधिकारी की मौजूदगी ने सबका ध्यान खींचा। वह थीं कर्नल सोफिया कुरैशी। वडोदरा की इस बेटी ने न सिर्फ भारतीय सेना में अहम जिम्मेदारी निभाई, बल्कि मीडिया के सामने आत्मविश्वास और गर्व के साथ भारत की सैन्य रणनीतियों को भी साझा किया। कर्नल सोफिया साहस, समर्पण के साथ तमाम बेटियों के लिए प्रेरणा बन गई हैं। भारतीय रक्षा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय ने शनिवार को शुक्रवार देर रात पाकिस्तान के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी। कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया, 'भारत ने 8 मिलिट्री ठिकानों पर हमला किया। इनमें पाकिस्तानी एयरबेस, हथियार डिपो शामिल हैं।' इससे पहले बीएसएफ ने वीडियो जारी कर बताया कि शुक्रवार की देर रात पाकिस्तान के सियालकोट में लूनी स्थित आतंकी लॉन्चपैड तबाह कर दिया गया। पाकिस्तान ने शुक्रवार को रात 7.47 से रात 10.57 बजे के बीच जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात के 26 शहरों में 550 से ज्यादा ड्रोन दागे थे। इस हमले को भारतीय आर्मी ने नाकाम कर दिया। पाकिस्तान ने शनिवार सुबह फिर जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात में हमला किया। राजौरी के प्रशासनिक अफसर समेत 5 लोगों की गोलाबारी में मौत हो गई। जम्मू शहर में भी हवाई हमला जारी है। कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। कर्नल सोफिया कुरैशी ने पाकिस्तान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने नागरिक विमानों की आड़ में विमान मार्गों का गलत इस्तेमाल किया। साथ ही, पाकिस्तानी सेना ने चिकित्सा केंद्रों और स्कूलों को भी निशाना बनाया। कर्नल कुरैशी ने यह भी कहा कि पाकिस्तानी सेना पश्चिमी सीमा पर लगातार गतिविधियां कर रही है। कर्नल कुरैशी ने आगे कहा कि पंजाब सेक्टर में हाई एयर डिफेंस अलर्ट के दौरान भारतीय एयरस्पेस नागरिक उड़ानों के लिए बंद था। लेकिन पाकिस्तान के इलाके में नागरिक उड़ानें चल रही थीं। पाकिस्तान का एक नागरिक विमान दम्मम से उड़ान भरकर लाहौर तक गया। भारतीय वायुसेना ने संयम बरतते हुए अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमान सेवा की सुरक्षा सुनिश्चित की। पाकिस्तान के यूएवी ने भठिंडा आर्मी स्टेशन को निशाना बनाने की कोशिश की, जिसे गिरा दिया गया। कर्नल सोफिया ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ मिलकर देश की सुरक्षा पर संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की जीत और सेना द्वारा अपनाई गई रणनीतियों का विवरण मीडिया के समक्ष प्रस्तुत किया। जब देश के सुरक्षा कवच में खड़े सैन्य प्रमुखों में महिला अधिकारियों का नाम शामिल होता है तो यह पूरे देश के लिए गर्व की बात होती है।

पाकिस्तान की हरकतों ने दोनों देशों को युद्ध के कगार पर ला खड़ा किया

पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान की हरकतों ने दोनों देशों को युद्ध के कगार पर ला खड़ा किया है। परमाणु हथियारों से लैस ये पड़ोसी क्या वाकई जंग की राह पर हैं? भारत में युद्ध की घोषणा का कोई साफ नियम नहीं, लेकिन अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल इसका रास्ता बन सकता है। क्या कूटनीति तनाव को ठंडा करेगी, या नियंत्रण रेखा पर एक और जंग की कहानी लिखी जाएगी? दुनिया की नजर इस सवाल पर टिकी है। भारत में 'वॉर की घोषणा' की कोई स्पष्ट संवैधानिक प्रक्रिया नहीं है, जैसा कि अमेरिका या कुछ अन्य देशों में होती है। हालांकि इसके लिए भारतीय संविधान का अनुच्छेद 352 काम आता है, जिसमें 'वॉर' या 'बाहरी आक्रमण' की स्थिति में 'राष्ट्रीय आपातकाल' घोषित किया जा सकता है। संवैधानिक रूप से राष्ट्रपति भारत के सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर होते हैं लेकिन वे युद्ध या शांति की कोई भी घोषणा कैबिनेट की सलाह से ही कर सकते हैं। राष्ट्रपति केवल औपचारिक मुहर लगाते हैं, असली फैसला प्रधानमंत्री और कैबिनेट का होता है।

व्यावहारिक रूप से- प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद यह तय करती है कि युद्ध घोषित करना है या नहीं। इस फैसले में रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की अहम भूमिका होती है। कैबिनेट की लिखित सिफारिश के आधार पर राष्ट्रपति 'राष्ट्रीय आपातकाल' की घोषणा कर सकते हैं। संसद (लोकसभा और राज्यसभा) से पूर्व अनुमति नहीं ली जाती, लेकिन एक बार आपातकाल घोषित होने पर संसद को 1 महीने के भीतर मंजूरी देनी होती है। आपातकाल की अवधि 6 महीने तक होती है, और इसे हर 6 महीने में संसद की मंजूरी से बढ़ाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि 1962 (चीन युद्ध) नहीं चीन ने अचानक हमला किया, भारत ने जवाब दिया। 1965 (पाक युद्ध) नहीं ऑपरेशन ग्रैंड स्लैम के जवाब में भारत ने सीमा पार की। 1971 (बांग्लादेश युद्ध) नहीं पाकिस्तान ने एयर स्ट्राइक की, भारत ने प्रतिक्रिया में सेना भेजी। 1999 (कारगिल युद्ध) नहीं सीमित संघर्ष, भारत ने 'ऑपरेशन विजय' चलाया।

भारत ने अब तक किसी भी युद्ध में औपचारिक घोषणा नहीं की है, केवल सैन्य कार्रवाई से जवाब दिया है। अगर इस बार हालात और बिगड़ते हैं, तो कैबिनेट राष्ट्रपति को अनुच्छेद 352 के तहत 'युद्ध आपातकाल' घोषित करने की सलाह दे सकती है। लेकिन फिलहाल स्थिति 'लिमिटेड मिलिट्री एंगेजमेंट' जैसी है, युद्ध नहीं,लेकिन युद्ध से एक कदम पहले। भारत और पाकिस्तान युद्ध की औपचारिक स्थिति में नहीं हैं, लेकिन जो हालात बने हैं वे तथ्यात्मक युद्ध के करीब हैं। किसी औपचारिक घोषणा के बिना भी सैन्य जवाबी कार्रवाई की जा सकती है, जैसा कि भारत ने अब तक किया है। मशहूर शायर और गीतकार साहिर लुधियानवी ने इसे बहुत ही अच्छे तरीके से कहा है- जंग तो खुद ही एक मसला है, जंग क्या मसलों का हल देगी। युद्ध चाहे कोई भी हो कौन सा भी हो लेकिन वह कभी भी किसी भी देश की लोकतांत्रिक, राजनीति और अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं होता। एक युद्ध जिन देशों के बीच में छिड़ता है केवल उनकी ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की शांति भंग करता है। युद्ध के कारण पूरी दुनिया को नुकसान होता है। हम सिर्फ उस नुकसान को देख रहे होते हैं जो सीधे तौर पर प्रभावित करता है। जैसे लोगों की मौत और अर्थव्यवस्था की बर्बादी हमें साफ दिखती है। लेकिन युद्ध पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाता है। कई जगहें युद्ध के बाद रहने लायक नहीं रह जाती हैं। इतिहास गवाह है आज तक युद्ध में सिर्फ बर्बाद ही हुआ है।

पोजिशन और पठानकोट एयरफील्ड शामिल हैं। पाकिस्तान जिन जगहों से ट्यूब लॉन्च ड्रोन के जरिए भारत में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहा था, उन जगहों को भारतीय सेना ने नष्ट कर दिया है। भारतीय सेना ने पाकिस्तानी चौकियों और आतंकवादी लॉन्च पैड्स को ध्वस्त कर दिया है। शुक्रवार की रात पाकिस्तान ने भारत के 26 जगहों को निशाना बनाकर ड्रोन से हमला किया था। श्रीनगर हवाई अड्डे और अवंतीपोरा एयरबेस पर ड्रोन हमलों को किल कर दिया गया, जबकि जम्मू और दक्षिण कश्मीर क्षेत्र के कुछ हिस्सों में धमाके सुने गए। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराए जाने से बारामूला जिले में आसमान तेज रोशनी से भर गया। भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए सभी ड्रोनों को नष्ट कर दिया था। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच पाकिस्तान ने बड़ी गलती करते हुए भारत पर फतेह-1 मिसाइल दागी। भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तानी मिसाइल को मिनटों में ही हवा में मार गिराया है। फतेह-1 एक बैलिस्टिक मिसाइल है और इसे काफी खतरनाक भी माना जाता है। पाकिस्तान ने इस मिसाइल के जरिए भारत के पश्चिमी क्षेत्र में कहीं एक रणनीतिक लक्ष्य को निशाना बना रहा था। इंडियन आर्मी की ओर से कहा गया है कि पाकिस्तान द्वारा ड्रोन हमलों और अन्य हथियारों के साथ हमारी पश्चिमी सीमाओं पर लगातार हमले जारी हैं। शनिवार सुबह अमृतसर के खासा कैंट के ऊपर दुश्मन के कई हथियारबंद ड्रोन उड़ते हुए देखे गए। हमारी वायु रक्षा इकाइयों ने तुरंत ही दुश्मन के ड्रोनों पर हमला किया और उन्हें नष्ट कर दिया। पाकिस्तान ने शनिवार सुबह एलान किया कि भारतीय आक्रामकता के जवाब में सेना ने हमले शुरू कर दिए हैं। इसे ऑपरेशन 'बुनयान-उल-मरसूस' नाम दिया गया है। इसका मतलब है- 'सीसे से मजबूत दीवार' यानी एक ऐसी दीवार जो बेहद मजबूती से रक्षा करती है। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री इशाक डार ने कहा कि हमारे पास भारत को जवाब देने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था। दोनों देशों के बीच हालात बेहद तनावपूर्ण और युद्ध जैसे हैं। सीमा पार से ड्रोन व मिसाइल हमले, ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत द्वारा आतंकी ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई है। सीजफायर उल्लंघन और ब्लैकआउट जैसी स्थिति। इन सबके बावजूद, भारत या पाकिस्तान में से किसी ने भी अभी तक औपचारिक रूप से युद्ध की घोषणा नहीं की है। जम्मू-कश्मीर,

पंजाब से लेकर राजस्थान तक, भारत-पाकिस्तान सीमा पर जंग की आहट सुनाई दे रही है। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। पाकिस्तान की ओर से लगातार मिसाइलें और ड्रोन दागी जा रही है। भारतीय सेना लगातार दुश्मन देश को मुंहतोड़ जवाब दे रही है। बुधवार रात से ही पाकिस्तान लगातार ड्रोन हमले कर रहा है। भारत सरकार ने निर्णय लिया है कि भविष्य में किसी भी आतंकी कार्रवाई को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसी के अनुसार जवाब दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर दोनों देशों के बीच जंग जैसे हालातों पर दुनिया के तमाम देश फिलहाल तटस्थ की भूमिका में है और भारत-पाकिस्तान को संयम बरतने की सलाह भी दे रहे हैं। हालांकि अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, इजरायल और ऑस्ट्रेलिया समेत तमाम देशों का समर्थन भारत की ओर है। पाकिस्तान के साथ बढ़ते टकराव और युद्ध जैसे हालात को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजधानी दिल्ली में हर रोज हाई लेवल की मीटिंग कर रहे हैं।

विपक्षी दलों ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिए जाने पर पूरा समर्थन दिया

पहलगाम हमले का पाकिस्तान से बदला लिए जाने के बाद देशवासियों ने केंद्र सरकार के ऑपरेशन सिंदूर से जोश से भर गए। वहीं विपक्षी दलों ने भी पाकिस्तान को करारा जवाब दिए जाने पर पूरा समर्थन दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उनकी पार्टी सरकार और सेना के साथ है और उनके हर कदम का समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की हर कार्रवाई का समर्थन करती है। खड़गे ने कहा कि इस मुद्दे पर कोई भेदभाव नहीं है, सब एकजुट होकर लड़ेंगे।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भारतीय सेना और उसके शौर्य व पराक्रम पर हमें गर्व है। कांग्रेस पार्टी देश के वीर जवानों के साथ है। खड़गे ने कहा, पाकिस्तान और पीओके में आतंकी शिविरों के खिलाफ साहसी और निर्णायक कार्रवाई के लिए हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है। हमें अपने सुरक्षा बलों पर गर्व है जिन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया और मुंहतोड़ जवाब दिया। खड़गे ने ये भी कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगी भी एकजुट होकर काम कर रहे हैं और हम सेना और सरकार को अपना समर्थन दोहराते हैं। वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि अपने सशस्त्र बलों पर उन्हें बहुत गर्व है और वह उनके साथ खड़े है। कांग्रेस के अलावा अन्य विपक्षी दलों ने भी भारतीय सेना की जमकर प्रशंसा की। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री से बात कर समर्थन का आश्वासन दिया। डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ तमिलनाडु भारतीय सेना के साथ खड़ा है। पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस नेता एके एंटनी ने ऑपरेशन सिंदूर को बस शुरुआत बताया और उम्मीद जताई कि सेना आगे भी निर्णायक कार्रवाई करेगी। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम सब एक हैं और सेना के साथ खड़े हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि भारतीय सेना हर बार माताओं की कोख, बहनों की कलाई और सिंदूर की रक्षा करती है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीय इस लड़ाई में सरकार और सेना के साथ हैं। सरकार और विपक्ष दोनों ही इस बात पर सहमत दिख रहे हैं कि राष्ट्रीय सुरक्षा और एकता से बड़ा कोई मुद्दा नहीं है। मोदी सरकार इस एकजुटता को और मजबूत करने के लिए सभी पक्षों के साथ मिलकर काम करने की योजना बना रही है। सरकार ने यह भी संदेश दिया है कि वह सभी नागरिकों, संगठनों और राजनीतिक दलों के सहयोग को महत्व देती है, जिन्होंने इस संकट के समय में एकजुटता दिखाई। यह कदम न केवल देश के भीतर एकता को बढ़ावा देगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत की स्थिति मजबूत और एकजुट छवि को प्रस्तुत करेगा।

कांपा पाक, इंडियन आर्मी ने खिलौनों की तरह तोड़े चीनी हथियार

अजय कुमार, लखनऊ

कश्मीर में पहलगाम हमले के बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल पाकिस्तान बल्कि चीन की भी पेशानी पर बल ला दिया है। दरअसल,भारतीय सेना पाकिस्तान को बुरी तरह से सबक सिखा रही है तो चीन की चिंता इस बात को लेकर है कि इस युद्ध में चीनी हथियारों की पोल खुलती जा रही है, पाकिस्तान द्वारा दागी जा रही चीनी मिसाइल और ड्रोन को भारतीय सेना अपने एयर डिफेंस सिस्टम के माध्यम से एक के बाद एक धराशायी करती जा रही है। सैकड़ों चीनी मिसाइलों को इंडियन आर्मी हवा में ही मार गिरा चुकी है। संभवता इसी के चलते पाकिस्तान की बौखलाहट के साथ ड्रैगन यानी चीन की चिंता बढ़ी हुई है। चीन के विदेश मंत्रालय ने भारत और पाकिस्तान से शांति की अपील करते हुए ज्ञान दिया कि बात आगे बढ़ी तो किसी के हित में नहीं होगा। ऐसा करते हुए उसने पाकिस्तान पोषित आतंकवाद पर चुप्पी साधे रखी।

बहरहाल, चीन ने भारत और पाकिस्तान को बातचीत के मेज पर वापस आने की सलाह देते हुए कहा कि वह मध्यस्थता करने का इच्छुक है। चीनी सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक प्रवक्ता ने कहा, हम दोनों पक्षों से अपील करते हैं कि शांति और स्थिरता के हित में संयम और शांति बरतें और शांतिपूर्वक साधनों से राजनीतिक सुलह के रास्ते पर वापस आएं। किसी भी ऐसे ऐक्शन से बचें जो तनाव को और ज्यादा बढ़ाए। यह भारत और पाकिस्तान दोनों के हित में होगा और क्षेत्र तकी शांति स्थिरता के लिए आवश्यक है। वैश्विक समुदाय भी इसी की उम्मीद कर रहा है। इसे खत्म कराने के लिए चीन भूमिका निभाने का इच्छुक है।

गौरतलब है कि चीन अपने फायदों के लिए पाकिस्तान को सबसे करीबी दोस्त होने के भ्रमजाल में फंसाए हुए है। चीन ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। भारत के रुख और सैन्य ताकत को देखते हुए चीन को अब अपने प्रॉजेक्ट्स पर भी असर होने का अंदेशा होने लगा है। आतंकवाद को लेकर हमेशा चीन का बचाव करता रहा ड्रैगन अब उसकी पिटाई देख झगड़ा रोकने की इच्छा जाहिर कर रहा है। उधर, भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। एक तरफ पाकिस्तान ने भारत में हमले की नाकाम कोशिशें की हैं तो दूसरी जवाबी कार्रवाई में उसे भारी नुकसान उठाना पड़ा है। भारत ने पाकिस्तान के चार एयरबेस को बुरी तरह ध्वस्त कर दिया है, जिसमें नूर खान एयरबेस भी शामिल है। इस बीच चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि मौजूदा स्थिति करीब से निगाह रखी जा रही है। चीन ने टकराव बढ़ने पर अपनी चिंता जाहिर की है।

उत्तराखंड में सुरक्षा को लेकर अलर्ट मोड पर धामी सरकार

साल 2000 में अस्तित्व में आए उत्तराखंड के लिए यह पहला मौका है जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात हैं। हालांकि यह राज्य कठिन से कठिन विपत्तियों से लड़ने के लिए आदी है। इन दिनों उत्तराखंड में चार धाम यात्रा भी चल रही है। लाखों की संख्या में देश-विदेश से तीर्थ यात्री चार धाम में दर्शन करने आ रहे हैं। भारत के हमले से बौखलाया पाकिस्तान देश में कहीं भी हमला कर सकता है। सीएम धामी ने चार धाम यात्रा के साथ नागरिकों की सुरक्षा की कमान अपने हाथ में संभाल ली है। संवेदनशील क्षेत्रों और चार धाम यात्रा सुरक्षा के लिए उत्तराखंड को पैरा मिलिट्री की 15 कंपनियां तैनात की गई हैं। इसके साथ ही एटीएस की 11 टीम भी निगरानी में है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए राज्य आपातकालीन केंद्र में 24 घंटे डयूटी देने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए 32 अपर सचिव व वरिष्ठ अधिकारी राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में 24 घंटे रोस्टर के हिसाब से डयूटी देंगे।

साल 1999 में भारत और पाकिस्तान के साथ कारगिल युद्ध के समय उत्तराखंड अपने अस्तित्व में नहीं आया था। यह राज्य तब उत्तर प्रदेश में आता था। 9 सितंबर साल 2000 में अस्तित्व में आए उत्तराखंड के लिए यह पहला मौका है जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात हैं। ऐसे में उत्तराखंड की सुरक्षा की कमान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हाथ में है। हालांकि यह राज्य कठिन से कठिन विपत्तियों से लड़ने के लिए आदी है। इन दिनों उत्तराखंड में चार धाम यात्रा भी चल रही है। लाखों की संख्या में देश-विदेश से तीर्थ यात्री चार धाम में दर्शन करने आ रहे हैं। भारत के हमले से बौखलाया पाकिस्तान देश में कहीं भी हमला कर सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए सीएम धामी ने चार धाम यात्रा के साथ नागरिकों की सुरक्षा की कमान अपने हाथ में संभाल ली है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी और अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर आंतरिक सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उच्चस्तरीय बैठक कर अधिकारियों को निर्देश दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की परिस्थितियों को देखते हुए चारधाम यात्रा, उत्तराखंड में स्थित महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, बांधों और ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बीच उत्तराखंड के संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। खासकर चीन-नेपाल सीमा पर ज्यादा चौकसी बढ़ाई गई है। इसके साथ ही चारधाम यात्रा को लेकर भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों और चार धाम यात्रा सुरक्षा के लिए उत्तराखंड को पैरा मिलिट्री की 15 कंपनियां तैनात की गई हैं। इसके साथ ही एटीएस की 11 टीम भी निगरानी में है। सचिव गृह शैलेश बगौली ने बताया कि प्रदेश के संवेदनशील क्षेत्रों को नए सिरे चिन्हित किया गया है। इसके बाद वहां निगरानी और चौकसी के लिए कड़े इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने विशेष रूप से चार धाम यात्रा समेत राज्य के बड़े और अहम संस्थाओं, ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री धामी के निर्देश पर पूरा प्रशासन अलर्ट मोड पर है। विशेष परिस्थितियों को छोड़ सभी अधिकारी और कर्मचारियों की छुट्टियां कैंसिल कर दी गई हैं। सीएम धामी ने कहा कि किसी भी तरह की आपात स्थिति के लिए जिला और तहसील स्तर पर खाद्यान सहित आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बनाये रखी जाए। अस्पतालों को आपातकालीन परिस्थितियों के लिए अलर्ट रखा जाए। सभी आवश्यक दवाओं का पूर्ण प्रबंध हो। नागरिक सुरक्षा दल और स्वयंसेवी संस्थाओं को बचाव और राहत कार्य के लिए प्रशिक्षण दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को भी सही सूचनाओं के साथ सतर्क किया जाए। साथ ही इस बात का ध्यान रखा जाए कि जन सामान्य के पास हर तरह से सही और प्रमाणित सूचनाएं ही पहुंचे, ताकि वो अफवाह से दूर रह सकें। साथ ही अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती की जाए। सोशल मीडिया के माध्यम से इस पर लगातार निगरानी रखी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़ते हुए, कार्मिकों के अवकाश मंजूर न किए जाएं। चारधाम यात्रा अतिरिक्त केंद्रीय सुरक्षा बल उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं चारधाम में तैनात आईटीबीपी को हटाकर बॉर्डर पोस्टों पर वापस भेज दिया गया है। चारधाम की सुरक्षा पर आरआरबी को लगाया गया है। उन्होंने अस्पतालों को हर परिस्थिति के लिए अलर्ट रखे जाने, सभी आवश्यक दवाओं के प्रबंध से जुड़े निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि लोगों को सही तथा प्रमाणिक सूचनाओं के साथ सतर्क किया जाए जिससे अफवाह

न फैले। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती बरतने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से इस पर लगातार निगरानी रखने के भी निर्देश दिए। आपदा सचिव विनोद कुमार सुमन ने वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए राज्य आपातकालीन केंद्र में 24 घंटे डयूटी देने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए 32 अपर सचिव व वरिष्ठ अधिकारी राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में 24 घंटे रोस्टर के हिसाब से डयूटी देंगे। इस संबंध में शासन ने आदेश जारी कर दिए हैं। प्रदेश के पिथौरागढ़ चंपावत,खटीमा क्षेत्र की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर भी चौकसी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। इन क्षेत्रों में राज्य की सीमा नेपाल और चीन बॉर्डर से मिली हुई है। चारधाम यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए भारत तिब्बत चीन सीमा से लगे चमोली जिले में सुरक्षा और सतर्कता के विशेष कदम चमोली प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने उठाये हैं। चमोली पुलिस द्वारा बदरीनाथ हेमकुंड सहित संपूर्ण यात्रा मार्ग पर निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। जनपद के बॉर्डर गौचर कस्बे से लेकर बदरीनाथ धाम तक के संपूर्ण यात्रा मार्ग की ड्रोन के माध्यम से निगरानी की जा रही है।

मॉकड्रिल कर नागरिकों को युद्ध के हालात से निपटने के लिए बताए गए सुरक्षा के उपाय

ऑपरेशन सिंदूर के बाद जहां देश की तमाम सुरक्षा एजेंसियों अलर्ट मोड पर हैं। वही गृह मंत्रालय के आदेश के बाद कई राज्यों में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इस ड्रिल के द्वारा युद्ध के हालात में निपटने के लिए तैयार रहना और बचाव व सुरक्षा के उपाय भी बताए गए। देहरादून कई चौराहों और मुख्य संस्थानों में मॉकड्रिल के जरिए तैयारियों को परखा गया। इस दौरान शहर मुख्य स्थानों पर सायरन बजाकर लोगों को अलर्ट किया गया। इस मॉकड्रिल में तमाम सुरक्षा एजेंसियां और कई विभाग के कर्मचारी शामिल हुआ। जिला प्रशासन और सिविल डिफेंस की ओर से एयर रेड सायरन बजते ही पुलिस और एसडीआरएफ अलर्ट हो गई। पुलिस एसडीआरएफ फायर टीम बस्ती लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा लोगों को ले जाने के लिए एंबुलेंस का सहारा लिया गया। इस दौरान पुलिस ने बड़े बड़े सरकारी भवनों से लोगों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का अभ्यास किया गया। खासकर शहर के आराघर चौकी, धारा चौकी आईएसबीटी, आईएमए, रक्षा संस्थान, कलेक्ट्रेट समेत कई मुख्य स्थानों पर लगे एयर रेड सायरन बजाए गए। आम जनता को हमले के दौरान सुरक्षा उपाय बताए गए। कुल मिलाकर यह एक जागरूकता का हिस्सा था जिससे लोगों को समय रहते जागरूक किया जाए और होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की ओर से की गई कार्रवाई के बाद पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों ने सार्वजनिक स्थानों के साथ ही एम्स में चेकिंग अभियान चलाया। वहीं अर्धसैनिक बलों के जवान यात्रा रूट पर भी सतर्क रहे। पुलिस प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। इन दिनों उत्तराखंड में चारधाम यात्रा चल रही है। बीती रात भारतीय सेना ने पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला कर उन्हें ध्वस्त कर दिया। यात्रा रूट पर पहले से ही पुलिस के साथ अर्धसैनिक बलों की तैनात की गई है। ऋषिकेश में यात्रा ट्रांजिट कैंप में देश के अलग-अलग कोने से आने वाले श्रद्धालुओं का आफलाइन पंजीकरण कराया जा रहा है। भारतीय सेना की कार्रवाई के बाद तीर्थनगरी में पुलिस प्रशासन सतर्क रहा। पुलिस और अर्धसैनिक बलों की टीमों ने यात्रा ट्रांजिट कैंप, आइएसबीटी, एम्स, रेलवे स्टेशन आदि सार्वजनिक और संवेदनशील जगहों को खंगाला।

आप्रेशन सिंदूर के लिए जाबांज भारतीय सेना को सेलयुट, मोदी है तो मुमकिन है: डॉ. नरेश बंसल

डॉ. नरेश बंसल
माननीय राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष भाजपा एवं सांसद राज्यसभा

भाजपा राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष व सासंद राज्यसभा डॉ. नरेश बंसल ने 22 अप्रैल को पहलगाम मे हुए कायराना आतंकवादी हमले मे हताहत हुए भारतीय नागरिको का बदला लेते हुए 6 मई की रात्री को भारतीय सेना की ओर से पाकिस्तान में आंतकवादी ठिकानो पर किए गए ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना की जमकर तारीफ की है। उन्होंने इसे देश के लिए गर्व का पल बताया है व प्रधानसेवक आदरणीय श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी के नेतृत्व मे हुए इस ऑपरेशन सिंदूर की भूरी भूरी प्रशंसा की है।

डॉ. नरेश बंसल ने कहा कि 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में जिस प्रकार से पाकिस्तान के आतंकवादियों ने घुसपैठ करके निर्दोष 26 भारतीय लोगों की जानें ली और आतंकवाद का नंगा नाच किया। उसी दिन देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा था कि, जिन्होंने ये कांड किया है, उन्हें ढूंढ के मारा जायेगा और उनकी कल्पना से ज्यादा उनको और उनको संरक्षण देने वालों को सजा मिलेगी। भारत की तीनों सेना थल, जल और नभ सेना ने ये 06 मई, 2025 को करके दिखाया और पाकिस्तान के 09 आतंकवादी अड्डों को निस्तानाबूद किया। सैकडों आतंकवादी इसमें मारे गये। जिस बहादुरी का परिचय देते हुए बिना किसी नुकसान के सैकडों आतंकवादियों को मारा गया है। पूरे आतंकवादियो के परिवार के परिवार नष्ट हुए हैं। उसने ये बता दिया है मोदी जो कहते है वो करते हैं। भारत की सेना पर सबको गर्व है।

भारत की सेना को जय हिन्द। भारत की सेनाओं को इस जाबांजी के लिए हृदय से धन्यवाद भी है और प्रणाम भी है और सैल्यूट भी है। उनको जय हिन्द भी है। मोदी है तो मुमकिन है। मोदी जी को इस कार्यवाही के लिए पूरे देश की जनता की ओर से बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द।

रावण को प्रतिनायक मानने वाले शब्द से प्रकाशमान हुए डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण'

डॉ. श्रीगोपाल नारसन
एडवोकेट

अपभ्रंश हिंदी साहित्य के परमविद्वान डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण' अब हमारे बीच नही है। 84 वर्ष की आयु में उनका 9 मई की शाम सवा सात बजे निधन हो गया है। वे पिछले 15 दिनों से पक्षाघात बीमारी से जूझ रहे थे।

प्राच्य विद्याओं के विशेष अध्ययन एवं शोध' के लिए प्रदान किया जाने वाला पाँच लाख रुपए का 'विवेकानंद साहित्य सम्मान' उत्तराखंड के रुड़की निवासी अपभ्रंश भाषा के विद्वान अध्येता डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण' को दिया गया था। केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा दिया गया यह सम्मान उत्तराखंड ही नही समूचे देश के साहित्य जगत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। प्राकृत एवं अपभ्रंश भाषा में डीलिट स्तरीय शोध करने वाले डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण' को 2 वर्ष पूर्व राष्ट्रीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली का 'भाषा सम्मान' दिया गया था, जिसमें उन्हें एक लाख रुपए के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया था। वही डॉ अरुण को अपभ्रंश साहित्य अकादमी, जयपुर का प्रतिष्ठित स्वयंभूदेव सम्मान भी दो बार मिला है। राष्ट्रीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली से डॉ. 'अरुण' की 'अपभ्रंश' एवं 'पुष्पदंत' शीर्षक से दो शोध परक पुस्तकें भी प्रकाशित हुई है।

जैन राम काव्य के परम विद्वान

जैन राम काव्य के निष्णात विद्वान डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण' ने जैन साहित्य में रामकथा विषय के परम विद्वान थे। जैन साहित्य में राम कथा के अनेक प्रसंगों की चर्चा करते हुए वह कहते थे कि जैन साहित्य में 63 पूज्य पुरुषों को शलाका पुरुष बताया गया है। राम को लोक रक्षक के रूप में और कृष्ण को लोकरंजक के रूप में माना गया है। जैन साहित्य में सीता, लक्ष्मण और भरत को आदर्श के रूप में प्रस्तुत किया गया है। राम कथा में उक्त पात्र त्याग और तपस्या के आदर्श के उदाहरण हैं। उनका कहना था

कि जैन धर्म में अवतारवाद को नहीं माना जाता और हिंसा को कोई स्थान नहीं है। इसलिए जैन राम कथा में रावण की हत्या का प्रसंग नहीं आता। वे स्वयंभू और तुलसी के राम पात्रों का उल्लेख करते हुए कहते थे कि स्वयंभू नारीत्व के प्रति समर्पित कवि हैं।

शब्द साधना से मिले सम्मान

भूमंडलीकृत वर्तमान समय में लगातार हो रहे मानव-मूल्यों का क्षरण चिंता का विषय है। सूचना-क्रांति के इस युग में जहाँ एक तरु हम वैश्विक परिधि को लाँघ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कहीं-न-कहीं अपनी जड़ों से भी कटते जा रहे हैं। जिसके कारण तमाम भौतिक सुविधाओं के बावजूद जीवन नीरस होता जा रहा है। व्यक्तिवाद का चरम निराशाजन्य अंधकार ही तो है। इन्ही विषयो पर डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण' की कहानियाँ जीवन की इसी आपाधापी से निकली हैं, जो जीवन-मूल्यों के राग को बचाने का प्रयास करती हैं। साहित्य अकादमी ने कालजयी और मध्यकालीन साहित्य और गैर मान्यताप्राप्त भाषाओं में योगदान के लिए डॉ. अरुण के योगदान को सराहा गया है।

उन्हें कालजयी और मध्यकालीन साहित्य में योगदान के लिए उत्तरी क्षेत्र से (2017 के लिए) भाषा सम्मान मिला था। डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण' का जन्म 7 जून सन 1941 को कनखल, हरिद्वार में हुआ था। वह उपाधि पोस्ट ग्रेजुएट कालेज, पीलीभीत (महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली) के सेवानिवृत्त प्राचार्य थे। उनकी 35 से ज्यादा पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें चार बाल कविता-संग्रह भी शामिल हैं। जैन रामकथा पर डॉ. अरुण का शोधग्रंथ स्वयंभू एवं तुलसी के नारी पात्र: तुलनात्मक अनुशीलन एक अनूठा ग्रंथ है। डॉ. 'अरुण' को कई पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हुए, जिनमें प्रमुख हैं: पं. मदन मोहन मालवीय सम्मान, काव्य रत्न पुरस्कार, गीत रत्नाकर पुरस्कार, साहित्यश्री पुरस्कार और नाट्य रत्न पुरस्कार आदि शामिल है।

रावण को मानते है प्रतिनायक

डॉ. अरुण के शोध कार्य के तहत रामकथा के आदि महाकवि महर्षि वाल्मीकि ने अपने विश्व महाकाव्य 'रामायण' में रावण को 'प्रतिनायक' के रूप में चित्रित किया है। इस तथ्य को दूसरे शब्दों में कहा जाए, तो महाकवि वाल्मीकि ने 'रावण' में मूलत: 'राम' के प्रतिरूप का ही चित्रण किया है। आदिकवि ने यदि 'राम' के चरित्र में 'शील-शक्ति सौंदर्य' की प्रतिष्ठा कराई है, तो रावण के चरित्र में भी इन्हें रक्खा है। रामायण के रचयिता आदिकवि वाल्मीकि ने पूर्णत: निरपेक्ष दृष्टि से नायक राम के प्रतिद्वंद्वी के रूप में प्रतिनायक रावण का सजीव एवं तार्किक चित्रण करते हुए उसे रामभक्त महाकवि तुलसी की भाँति एक पराजित व्यक्ति की तरह उपेक्षा और घृणा का पात्र नहीं बनाया, बल्कि दुर्घर्ष संघर्ष करने वाले वीर योद्धा का रूप दिया है।

आदिकवि वाल्मीकि का रावण उद्भट वीर है, पराक्रमी योद्धा है और सर्वोपरि जिजीविषा का जीवंत रूप है। रामायण में राम-रावण का युद्ध सामान्य युद्ध नहीं है, प्रत्युत महायुद्ध है-

''महदयुद्धं तुमुलं रोम हर्षणम''
(6/110/16)

रामायण के अनुसार, राम-रावण के महाभयंकर युद्ध में पृथ्वी पर 'महानाश' अवतरित हो जाता है। राम और रावण के बीच होने वाला प्रलयंकर युद्ध रावण को राम के प्रबलतम प्रतिपक्षी के रूप में लाकर खड़ा कर देता है। वाल्मीकि कहते हैं-

''गगन गगनाकारं सागर सागरोपमः!
राम रावणयोर्युद्धं राम रावणयोरिव!!''
(6/110/24)

यहाँ महाकवि ने अत्यंत भावमग्न होकर 'राम रावणयोर्युद्धं राम रावणयोरिव' कहकर मात्र 'अनन्वय अलंकार' का चमत्कार दिखाया हो, ऐसी बात कदापि नहीं, बल्कि महर्षि वाल्मीकि रावण को शक्ति संपन्नता की दृष्टि से राम के समकक्ष रखना चाहते हैं। यहाँ अपने मंतव्य के प्रमाण के रूप में मैं रावण की मृत्यु हो जाने के पश्चात विभीषण द्वारा कहलाए गए आदिकवि वाल्मीकि के सार्थक शब्द ''शस्तभृतांवर''का उल्लेख कहना चाहूँगा, जिसके द्वारा कवि ने रावण को शौर्य एवं शक्ति का आगार बताया है। आदिकवि वाल्मीकि की इस निरपेक्ष कवि-दृष्टि की तुलना में भक्त कवि तुलसी दास ने राम के ब्रह्मत्व का सापेक्ष दृष्टिकोण लेकर राम के समक्ष रावण को पूर्णतः महत्वहीन पिद्दी-सा बना दिया है। सच यह है कि पूर्वाग्रह पूर्ण भक्त कवि तुलसी अनजाने ही रावण को महत्वहीन बनाते-बनाते राम को महत्वहीन बना बैठे हैं। वस्तुतः तुलसी राम के ब्रह्मत्व की महत्ता के समक्ष रावण को नगण्य चित्रित करके अपने युग को तो संभवतः ध्वनित कर गए, लेकिन आदि महाकवि वाल्मीकि की तुलना में उनकी रावणपरक दृष्टि सहज और संयत नहीं रह सकी। क्या अंगद का रावण की राज्यसभा में पाँव जमाना जैसे प्रसंग परोक्षतः राम को ही कहीं निर्बल नहीं बना जाते? प्रथम श्रेणी का सिद्ध पहलवान क्या कभी निम्न श्रेणी के छोटे पहलवान से भिड़ेगा? यदि भिड़कर जीत भी गया, तो दर्शकगण बेमेल कुश्ती कहकर हँसेंगे ही। यही स्थिति रामचरित्र मानस में राम-रावण युद्ध तक महाकवि तुलसी अनायास पैदा कर देते हैं। उनका चरित्र सहज संयत दीखता है। वाल्मीकि कहते हैं-

''एव चेतद कामांतु न त्वां स्प्रक्ष्यामि मैथिलि!
कामं कामः शरीरे में यथा कामं प्रवर्तताम!!'' (5/20/6)

रामायण की उक्त स्थिति की तुलना में भक्त कवि तुलसी रावण के शील का मूल्यांकन रामभक्त होकर ही करते हैं, तटस्थ कवि होकर नहीं कर पाते। जहाँ वाल्मीकि की दृष्टि में रावण की कामभावना रजस से शासित है, वहीं तुलसी ने उसे पूर्णतः तमस से संबद्ध करके रावण को कामी कह दिया है। इसी दृष्टि भेद के कारण रामायण का रावण महत्वाकांक्षी, धैर्यवान, वीर एवं साहसी सम्राट है, जबकि रामचरितमानस का रावण

मुख्यमंत्री ने जताया शोक

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण' के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा हिंदी साहित्य के प्रखर विद्वान, सरल एवं सहज व्यवहार के धनी डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण' जी का जाना हिंदी साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

अत्याचारी, असंयमी, क्रोधी, कामी और नृशंस बना दिया गया है। रावण की मृत्यु के पश्चात मंदोदरी के मुख से अपने पराक्रमी वीर एवं यशस्वी पति रावण की तथाकथित कामुकता का भी अत्यंत गौरवपूर्ण उल्लेख जब हम पढ़ते हैं, तो आदिकवि के कवित्व पर मुग्ध हो उठते हैं-

''इंद्रियाणि पुण जित्वा जितं त्रिभुवनं त्वया!
स्मरादिभारिव तदैरमिंद्रियैरेव निर्जितः!!
(6/114/18)

अर्थात 'तुमने बलपूर्वक इंद्रियों को जीत कर त्रिभुवन विजित किया था, इसीलिए अब इंद्रियों ने सीता के बहाने तुम्हें जीत लिया है।''

संस्कृत के आदि कवि वाल्मीकि की ही तरह अपभ्रंश के आदि महाकवि स्वयंभू देव की दृष्टि भी रावण के चित्रण में सर्वत्र सहज और तटस्थ कवि की ही रही है। जैन-रामायण के नाम से विख्यात अपभ्रंश भाषा की रामकथा कृति ''पउम चरिउ'' में रावण के शील का चित्रण करते हुए एक अनूठी और विलक्षण उद्भावना करते हैं। स्वयंभू देव का रावण कैवल्य ज्ञानी संत अनंत रथ के समक्ष प्रतिज्ञा करता है-

'जं मइण समिच्छई चारु गत्तु!
तं मंड लिएभिण पर कलुत्तु!! (1/18/3)

''यदि कोई परस्त्री स्वयं इच्छा नहीं करेगी, तो मैं उसका भोग नहीं करंगा।'' क्या सृष्टि का समस्त शक्तियाँ होने के बाद भी रावण ने कभी बलात सीता का भोग करना चाहा? तब रावण पर कामुक होने का घृणित आरोप क्यों? अपभ्रंश के आदिकवि स्वयंभूदेव भी महाकवि वाल्मीकि की तरह ही रावण को दीप्तवीर एवं शीलवान सिद्ध करते हैं। 'पउम चरिउ' में जब लक्ष्मण रावण से सीता को लौट कर राम से क्षमा माँगने की बात कहते हैं, तो दीप्तवीर रावण कहता है-

''महु धइं पुणु आएं कवणु!
किं सीह हों होउ सहाउ अण्णु!!''

अपभ्रंश हिंदी साहित्य की महान विभूति थे डॉ. अरुण

''जैन रामकथा'' के अन्तर्गत ''स्वयंभू एवम् तुलसी के नारीपात्रः तुलनात्मक अनुशीलन'' विषय पर शोध कर साहित्यिक क्षितिज पर पहुंचे डॉ. योगेन्द्रनाथ शर्मा 'अरुण' ने ''स्वयंभू प्रणीत' पौम चरिउ' में समाज, संस्कृत एवम् दर्शन की अभिव्यंजना''; शोध से डी.लिट् की प्राप्ति की थी। डॉ. अरुण के निकट रहे साहित्यकार श्रीगोपाल नारसन ने बताया कि 7 जनवरी सन 1941 को कनखल हरिद्वार में जन्मे डॉ. अरुण ने रुड़की को अपनी कर्मस्थली बनाया। वे राष्ट्रीय साहित्य अकादमी के सदस्य रहे और शम्भू दयाल कॉलेज, ग़ाज़ियाबाद से प्राध्यापक के रूप में अपने कैरियर की शुरुआत की। उन्होंने रीडर और विभागाध्यक्ष स्नातकोत्तर विभाग हिन्दी शोध, बी.एस.एम. (स्नातकोत्तर) कॉलेज, रूड़की के रूप में सेवाएं दी और फिर उपाधी पोस्ट ग्रैजुएट कॉलेज, पीलीभीत में प्राचार्य रहे तथा सन् 2001 में सेवानिवृत्त हुए। उनकी प्रकाशित पुस्तकों में स्वयंभू एवम् तुलसी के नारी पात्र, प्राकृति-अपभ्रंशः इतिहास दर्शन,जैन कहानियाँ, दादी माँ ने हाँ कह दी, जैन रामायण कि कहानियाँ, काव्य सरोवर का हंसः उदय भानु हंस, श्याम सिंह शशिः स्रजन एवम् मूल्यांकन, 'अहसास' और अन्य कहानियाँ (कहानी संग्रह) 'अभिनन्दन' (कहानी संग्रह), 'गीत त्रिवेण ी', 'बाती नदी हो जाए' ग़ज़ल संग्रह, नया सवेरा, नदिया से सीखो (बाल-काव्य), जैन रामकाव्य परंपरा और महाकवी स्वयंभू प्रणीत पौम चरिउ, अक्षर चिंतन (शोध पत्र), विचार प्रवाह (निबंध संकलन), महाविजय, सन्त समण भाई का अमृत चिंतन,जीवन अमृतः पर्यावरण चेतना, 'इन्दिरा महा प्रयाण' (स्वर्गीय श्रीमती इन्दिरा गांधी की स्मृति में महाकाव्य) आदि शामिल है। वे अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा की कार्यपरिषद में राष्ट्रपति के नामिनी रहे है।

(79/22)

रावण लक्ष्मण से कहता है- क्या सिंह का स्वभाव बदल सकता है? इस प्रकार अनेक स्थानों पर हम रावण के तेजस्विता से परिपूर्ण चरित्र का दर्शन करते हैं।

डॉ. अरुण की दृष्टि में रावण की तेजस्विता

तुलसीदास सर्वत्र रावण के दीप्त अहं को शठ की हठवादिता कहते हैं जबकि आदिकवि वाल्मीकि रावण के अहं में भी अपूर्व तेजस्विता देखते है और उसे वीर पुरुष का अहं मानते हुए कहते है- ''द्विधा भज्येयमप्येवं न नमेयंतुवस्याचित,'' लेकिन और अब अंत में, सौंदर्य चित्रण की दृष्टि से भी रावण के चित्रंकन का मूल्यांकन करते चलें। यहाँ आदिकवि वाल्मीकि की कवि-दृष्टि रावण की रूपराशि, तेजस्विता एवं संपन्नता को चित्रित करती है। दूसरी ओर, रावण की इस सहज सर्वलक्षणयुक्तता की तुलना में महाकवि तुलसी रामचरितमानस में रावण का चित्रण करते हुए उसे केवल निशाचर ही मानते हैं, कहीं भी सुंदर सुयोग्य प्रतिनायक नहीं मान पाते, जिससे वितृष्णा के साथ-साथ कहीं-कहीं तो क्षोभ भी उत्पन्न होता है। तुलसी के रावण का रूप अंगद को ऐसा दीखता है-

''अंगद दीख दसानन बैसे! सहित प्राण कज्जल गिरि जैसे!!
मुख नासिका नयन अरूकाना! गिरि कंदरा खोह समाना!!''
(लंकाकांड-18/46)

उक्त चित्रण में, रामभक्त तुलसी ने कज्जलगिरि जैसे तथा गिरि कंदरा खोह समाना जैसी उपमाएँ दशानन रावण के लिए प्रयुक्त की हैं, लेकिन अनेक काव्य-मर्मज्ञ, रसज्ञ, सामाजिक सहृदय व्यक्ति उससे सहमत नहीं होते हैं। प्राच्य विद्याओं के अध्येता विद्वान वी.एस. श्रीनिवास ने रावण के लिए अत्यंत सार्थक शब्द कहे हैं- ''ग्रेटनैस विद आउट गुडनैस'' अर्थात ''गरिमारहित उच्चता''। क्या इन शब्दों से रावण के चरित्र का सही मूल्यांकन नहीं होता? इस पर आपत्ति संभव ही नहीं।

लंकाधिपति रावण में भी शील-शक्ति-सौंदर्य की त्रिवेणी आदिकवि वाल्मीकि एवं अपभ्रंश के महाकवि स्वयंभू देव ने देखी और रावण को मर्यादा पुरुषोत्तम राम का सबलतम एवं प्रबलतम प्रतिद्वंद्वी बनाकर रामकथा का सहज प्रतिनायक (एंटी हीरो) बनाया है, जबकि भक्त कवि तुलसीदास रावण को खलनायक (विलेन) बना देते हैं, जो कवित्व की दृष्टि से उतना गरिमापूर्ण नहीं लगता। आख़िर रावण ही तो है जिसने राम को सचमुच राम बनाया है। उनके इसी दृष्टिकोण ने उन्हें महान साहित्यकार बनाया है। डॉ. अरुण अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा की कार्यपरिषद में जहां राष्ट्रपति के नामिनी रहे वही नेशनल बुक ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी होने का भी उन्हें सौभाग्य मिला है।उनके साथ मेरी अनेक साहित्यिक यात्राएं और उनका मुझे मानस पुत्र के रूप में सम्मान देना सदा याद रहेगा। उन्हें मेरा शत शत नमन।

डॉ हिमांशु ऐरन बने रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रख्यात शिक्षाविद डॉ हिमांशु ऐरन रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, देहरादून के नए कुलपति होंगे। 02 मई को उन्होंने कुलपति पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। विदित हो कि डॉ. हिमांशु ऐरन के पास 35 वर्षों का विस्तृत एकेडमिक अनुभव है। उनके 245 से अधिक साइंटिफिक रिसर्च पेपर प्रकाशित हुए है। डॉ. ऐरन ने कुलपति पद पर अपनी नियुक्ति के लिए सर्च कमेटी के सदस्यों तथा विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. अतुल कृष्ण भटनागर का आभार व्यक्त किया।

राजभवन में शुक्रवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) से गृह मंत्रालय, भारत सरकार की संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप समिति के सदस्यों ने शिष्टाचार भेंट की। उप समिति का नेतृत्व राज्यसभा सांसद एवं संयोजक डॉ. दिनेश शर्मा कर रहे हैं। उप समिति के सदस्य तीन दिवसीय उत्तराखण्ड प्रवास के दौरान विभिन्न विभागों के साथ बैठकें कर कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग की प्रगति की समीक्षा करेंगे।

राज्यपाल ने समिति का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड हिंदी का उद्गम स्थल रहा है और यहां की सांस्कृतिक एवं शैक्षिक परंपराओं में हिंदी का गहरा प्रभाव है। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और सरकारी कार्यों में उसके अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखण्ड निरंतर प्रयासरत है।

उप समिति के सदस्यों में सांसद श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह, सांसद श्री रामचंद्र जांगड़ा, सांसद श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी, सांसद श्री सतपाल ब्रह्मचारी, सांसद श्री राजेश वर्मा, सांसद श्री किशोरी लाल, सचिव श्री राज्यपाल श्री रविनाथ रामन, अपर सचिव श्रीमती स्वाति एस. भदौरिया, उप समिति के सचिव श्री प्रेम नारायण आदि उपस्थित रहे।

दुनिया भर से शादी के लिए त्रियुगीनारायण मंदिर पहुंच रहे जोड़े

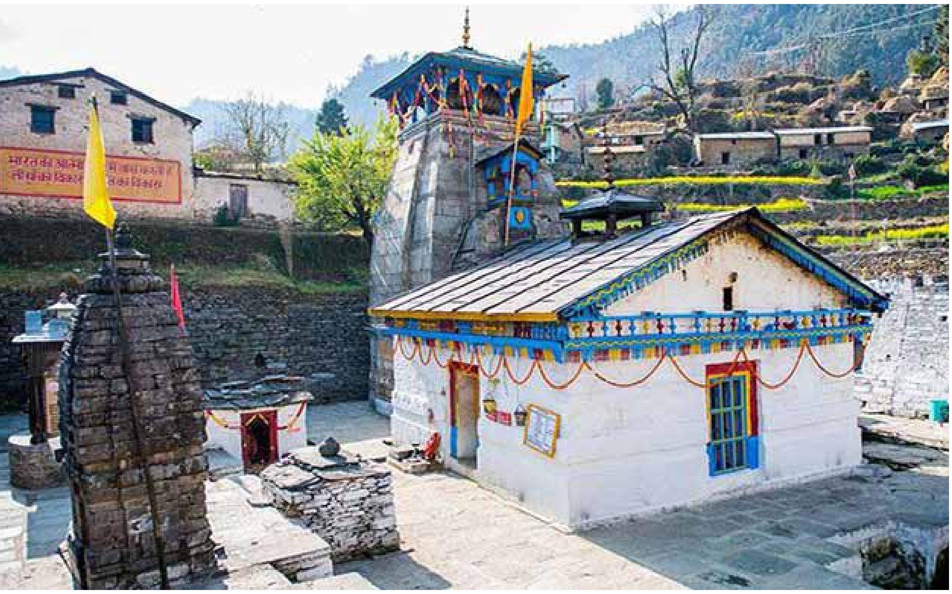

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

त्रियुगीनारायण मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। मान्यता है कि यहां भगवान शिव और देवी पार्वती का विवाह संपन्न हुआ था। स्वयं भगवान विष्णु ने इस विवाह में देवी पार्वती के भाई (कन्यादान कर्ता) का कर्तव्य निभाया था। मंदिर प्रांगण में एक पवित्र अखंड अग्नि है, भगवान शंकर ने पर्वतराज हिमावत की पुत्री पार्वती से मन्दाकिनी क्षेत्र के त्रियुगिनारायण गाँव में यहाँ जलने वाली अग्नि की ज्योति के सामने विवाह किया था। मन्दिर के अन्दर प्रज्ज्वलित अग्नि कई युगों से जल रही है। इसलिए इस स्थल का नाम 'त्रियुगी' हो गया। मान्यता है कि शिव पार्वती ने इसी अग्नि के सात फेरे लिए थे। मंदिर की बनावट केदारनाथ मंदिर से मिलती-जुलती है। भारत में भगवान शिव को समर्पित अनगिनत मंदिर हैं, लेकिन कुछ मंदिर अद्वितीय महत्व रखते हैं। ऐसा ही एक मंदिर उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित त्रियुगीनारायण मंदिर है। इस मंदिर को भगवान शिव और देवी पार्वती के दिव्य विवाह का पवित्र स्थल माना जाता है। मंदिर के अंदर सदियों से एक पवित्र अग्नि जल रही है। वही अग्नि जिसने शिव और शक्ति के विवाह की प्रतिज्ञाओं को साक्षी रूप में देखा है। वेदों के अनुसार, त्रियुगीनारायण मंदिर त्रेतायुग से अस्तित्व में है। आज भी भक्तगण आनंदमय और सामंजस्यपूर्ण वैवाहिक जीवन के लिए इस पवित्र स्थल पर पूजा करते हैं। और सोमवार से अधिक शुभ दिन भगवान शिव और माँ पार्वती की पूजा के लिए और क्या हो सकता है? इसीलिए, श्री मंदिर इस सोमवार को शिव और शक्ति के दिव्य मिलन की पवित्र भूमि पर शिव-पार्वती विवाह पूजन, देवी महात्म्य पाठ और अर्धनारीश्वर पूजा का आयोजन कर रहा है। भगवान शिव और देवी पार्वती का विवाह हिंदू धर्म में दिव्य एकता का प्रतीक माना जाता है। यह पवित्र कथा उनके प्रेम, भक्ति और त्याग के शाश्वत बंधन को दर्शाती है। इसीलिए शिव-पार्वती विवाह महात्म्य कथा को पढ़ना सुखी और समृद्ध वैवाहिक जीवन के लिए सबसे शक्तिशाली अनुष्ठानों में से एक माना जाता है। इसके अतिरिक्त, अर्धनारीश्वर रूप भगवान शिव और देवी पार्वती के दिव्य मिलन का प्रतिनिधित्व करता है, जहाँ देवता का आधा भाग पुरुष (शिव) और आधा भाग स्त्री (शक्ति) होता है, जो उनके अविभाज्य संबंध का प्रतीक है। मान्यता है कि अर्धनारीश्वर की पूजा करने से वैवाहिक जीवन में प्रेम और सद्भाव बढ़ता है। शास्त्रों के अनुसार, जिन लोगों के विवाह में संघर्ष हो, जीवनसाथी मिलने में देरी हो, या विवाह संबंधी बाधाएं आ रही हों, उन्हें भगवान शिव और देवी पार्वती को समर्पित अर्धनारीश्वर पूजा अवश्य करनी चाहिए। ऐसा माना जाता है कि यह पवित्र अनुष्ठान एक आनंदमय विवाह के लिए दिव्य आर्शीवाद प्रदान करता है और रिश्तों में आ रही चुनौतियों का समाधान करता है। इस पवित्र स्थल पर, श्री मंदिर के माध्यम से इस विशेष पूजा में भाग लें और वैवाहिक आनंद व मजबूत, सामंजस्यपूर्ण रिश्तों के लिए भगवान शिव और माँ पार्वती का दिव्य आर्शीवाद प्राप्त करें। रुद्रप्रयाग जनपद में स्थित, शिव-पार्वती का विवाह स्थल त्रियुगीनारायण वैश्विक वेडिंग डेस्टिनेशन के तौर पर उभर रहा है। जहां देश विदेश से लोग सनातन परम्पराओं के अनुसार विवाह करने के लिए पहुंच रहे हैं। शादियों के सीजन में अब यहां हर महीने 100 से अधिक शादियां हो रही हैं। प्रधानमंत्री कई मौकों पर डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उत्तराखंड की ब्रांडिंग कर चुके हैं। इसका असर, त्रियुगीनारायण मंदिर में साफ तौर पर नजर आ रहा है। जहां लोग देश विदेश से डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए पहुंच रहे हें। इससे यहां होटल कारोबारियों से लेकर पंडे पुजारियों, वेडिंग प्लानर, मांगल टीमों और ढोल दमौ वादकों सहित कई अन्य लोगों को काम मिल रहा है। क्षेत्र की वेडिंग प्लानर रंजना रावत के मुताबिक, 07 से 09 मई के बीच सिंगापुर में कार्यरत भारतीय मूल की डॉक्टर प्राची, यहां शादी करने के लिए पहुंच रही है। इसके लिए उन्होंने जीएमवीएन टीआरएच बुक किया हुआ है। उन्होंने बताया कि इस साल अप्रैल माह तक ही यहां करीब पांच सौ शादियां हो चुकी है, जबकि 2024 में कुल छह सौ शादियां ही हुई थी। उन्होंने बताया कि अब तक यहां इसरो के एक वैज्ञानिक, अभिनेत्री चित्रा शुक्ला, कविता कौशिक, निकिता शर्मा, गायक हंसराज रघुवंशी, यूटयूबर आदर्श सुयाल, गढ़वाली लोकगायक सौरभ मैठाणी के साथ ही कई,

जानी मानी हस्तियां सात फेरे ले चुके हैं। मंदिर के पुजारी सच्चिदानंद पंचपुरी ने बताया कि यहां सनातन मतावलंबियों का विवाह वैदिक परंपराओं के अनुसार सम्पन्न होता है, इसके लिए पहले से रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है। साथ ही माता-पिता या अभिभावकों की मौजूदगी में ही विवाह संपन्न होता है। उन्होने बताया कि सात फेरों के लिए मंदिर परिसर में ही वेदी बनाई गई है, इसके बाद अखंड ज्योति के साथ पग फेरा लिया जाता है। इसके अलावा अन्य सभी आयोजन, नजदीकी होटल और रिजॉर्ट में सम्पन्न किए जाते हैं। सीतापुर तक के होटल में अन्य विवाह समारोह भी स्थानीय पुजारियों द्वारा सम्पन्न कराए जाते हैं, इसके लिए दक्षिणा की दरें तय की गई हैं। उत्तराखंड सरकार ने साल 2018 में त्रियुगीनारायण मंदिर को डेस्टिनेशन वेडिंग स्थल के रूप में शुरू किया था। पुरोहित समाज के अध्यक्ष का कहना है कि मुहूर्त को देखकर ही मंदिर में शादी समय तय होता है। लेकिन मंदिर में विजयदशमी और महाशिवरात्रि के दिन शादी के लिए कई जोड़े यहां आते हैं। साथ ही बताते हैं, मंदिर में अगर किसी भी कपल को शादी करनी है, तो उसे मंदिर के पास ही पुरोहित समाज के ऑफिस में रजिस्ट्रेशन कराना होगा। साल भर मंदिर में करीबन 200 शादियां होती है। नई पीढ़ी यहां शादी करने को लेकर उत्साहित नजर आती है। शादी के शानदार लम्हों को इस स्थल के साथ कैमरे में कैद करने की ख्वाहिश उनमें देखी जा रही है। अब तक इस स्थल पर कई हस्तियां विवाह के बंधन में भी बंध चुकी हैं। इस स्थान की महत्ता को देखते हुए तत्कालीन ने त्रियुगीनारायण को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी, मगर घोषणा के पांच साल बाद भी यहां कुछ खास काम हुआ नहीं है। लेकिन न तो यह वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हुआ और ना ही यहां मूलभूत सुविधाएं जुटाई जा सकीं। यही नहीं मंदिर के पुजारियों व तीर्थ पुरोहितों के लिए शौचालय तक की सुविधा नहीं है। मंदिर मार्ग की हालत अच्छी नहीं है। त्रियुगीनारायण के लोगों को बुखार की दवा के लिए दूरी तय कर सोनप्रयाग या फिर 28 किमी दूर फाटा की दौड़ लगानी होती है। समय के साथ ही युवाओं का टेस्ट डेस्टिनेशन वेडिंग को लेकर बदलता जा रहा है। जहां पहले लोग ऐतिहासिक हवेलियों, भव्य इमारतों, समुद्र के किनारे या पहाड़ों पर शादी करना पसंद करते थे, लेकिन अब युवाओं के बीच डेस्टिनेशन टेंपल वेडिंग का कल्चर काफी पसंद किया जा रहा है। इसके लिए लोग नई-नई जगहों की तलाश कर रहे हैं। सीएम ने उत्तराखण्ड में डेस्टिनेशन वेडिंग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। साथ ही त्रियुगीनारायण में सड़क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के साथ ही वहां पर हेलीपैड बनाने का भी आदेश दिया। सीएम ने कहा कि डेस्टिनेशन वेडिंग से राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उत्तराखण्ड का प्राकृतिक सौंदर्य और आधुनिक सुविधाएं इसे एक प्रमुख वेडिंग डेस्टिनेशन बनाने में सहायक होंगी। साथ ही सीएम ने पर्यटन विभाग को निर्देश दिए कि 'डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड' के लिए जल्द से जल्द गाइडलाइन तैयार की जाये। बैठक संपन्न होने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा पीएम ने हाल ही में मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल मुखवा से सभी देशवासियों से अपील किया है कि वेडिंग के सबसे अच्छा स्थान देवभूमि उत्तराखंड है। जिसके अनुरूप राज्य सरकार योजना बना रही है। साथ ही वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए कुछ नए स्थान चिन्हित किये जा रहे हैं। सीएम धामी ने कहा वेडिंग इवेंट्स करने वाले लोगों के साथ भी जल्द ही बैठक की जाएगी। जिससे अधिक से अधिक लोगों को देवभूमि में वेडिंग करने के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। लेखक विज्ञान व तकनीकी विषयों के जानकार दून विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं।

दिव्यांगो को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हर्षल फाउंडेशन का सार्थक प्रयास

हर्षल फाउंडेशन पिछले दो दशकों से भी ज्यादा समय से दिव्यांगो को सशक्त बनाने के लिए कार्य कर रहा है। इसके परिणाम पर बहुत सकारात्मक आ रहे हैं। हमारे कुछ दिव्यांग जनों को अलग अलग क्षेत्रों में उनकी क्षमता के अनुसार नोकरी भी मिली है। अब संस्था का सारा फोकस उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर है। इसी दिशा में उन्हें एलइडी लाइट बनाने की ट्रेनिंग शुरू कर दी है, साथ ही उनके द्वारा बनाया समान भी बाजार में बेचने की जिम्मेदारी भी संस्था ने ली है। इस मौके पर डिप्टी डायरेक्टर डॉ. जैनेंद्र कुमार रिहैबिलिटेशन ऑफिसर संतोष कुमार वोकेशनल इंस्ट्रक्टर संजीव जोशी ट्रेनर रिश्ता कौर आदि उपस्थित रहे। आज सभी दिव्यांगों को एलईडी लाइट बनाने के संबंध में एक लेक्चर दिया गया और उन्हें बताया गया कि किस तरीके से एलईडी लाइट बनाई जाएगी और आगे आप उनको अपना व्यवसाय बना सकते हैं। इस मौके पर डॉ. रमा गोयल ट्रस्टी सचिव हर्षल फाउंडेशन ने कहा कि संस्था का हमेशा से ही प्रयास रहा है कि किस तरीके से दिव्यांग जनों को भी अपने पैरों पर खड़ा कर स्वावलंबी बनाया जाए।

देहरादून में थाईलैंड पर्यटन प्राधिकरण ने की उत्तराखंड ट्रैवल प्रोफेशनल्स के साथ पर्यटन विकास मीटिंग

देहरादून में थाईलैंड पर्यटन प्राधिकरण ने एक शानदार नेटवर्किंग एजेंट मीट का आयोजन किया। यह मीट उत्तराखंड के ट्रैवल प्रोफेशनल्स के लिए नए अवसरों के दरवाज़े खोलने वाला एक मंच था।

कार्यक्रम की शुरुआत थाईलैंड पर्यटन प्राधिकरण की निदेशक श्रीमती सिरिगेस-ए-नोंग त्रित्तनासोंगपो ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि कि उत्तराखंड अब थाईलैंड पर्यटन के लिए एक मज़बूत और उत्साहजनक बाजार के रूप में उभर रहा है, इंडिगो और स्पाइसजेट की कनेक्टिविटी ने देहरादून से थाईलैंड के लिए यात्र को न केवल सुगम बनाया है, बल्कि यात्रियों की संख्या में भी उल्लेखनीय इज़ाफ़ा किया है। इस अवसर पर देवभूमि टूर अपरेटर एसोसिएशन के श्री राजीव वर्मा, श्री विकास कुमार,श्री आशीष वडेरा, शिवम् श्रीवास्तव, श्री संदीप,श्री आशुतोष, श्री मुकेश, श्री सुनील नागपाल आदि सदस्य ने भी अपने विचार रखे।

राजभवन में आयोजित सर्वधर्म गोष्ठी में शामिल हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

वर्तमान परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए शनिवार को राजभवन में सर्वधर्म गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस आयोजन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से. नि.), मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी एवं सभी धर्मों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग कर देश की एकता एवं अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि यह आयोजन राष्ट्र के प्रति हमारे साझा उत्तरदायित्व की अभिव्यक्ति है।

राज्यपाल ने कहा कि आज हम सब यहां धर्म, जाति और मत की सीमाओं से दूर एक साथ खड़े है और सीमाओं पर खड़ी हमारी सेना व भारत की आत्मा की तरह जीवंत दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक पूर्व सैनिक होने के नाते मैं जानता हूं कि एक सैनिक की सबसे बड़ी ताकत उसका परिवार, उसका देश और उसका मनोबल होता है और आज की यह हमारी गोष्ठी सैनिकों के मनोबल को सशक्त करने का प्रतीक है।

राज्यपाल ने कहा कि सभी धर्मों का मूल संदेश एक ही है। उन्होंने कहा कि हिन्दू धर्म सर्वे भवंतु सुखिन: की शिक्षा देता है वहीं सिख धर्म एकम की भावना से सभी को देखता है। बुद्ध कहते हैं कि अपने दीपक खुद बनो, वहीं जैन धर्म का सिद्धांत है कि अहिंसा ही परम धर्म है। उन्होंने कहा इस्लाम हमें सिखाता है कि विभाजन मत करो वहीं ईसाई धर्म में कहा गया है कि शांति फैलाने वाले ईश्वर की संतान होते हैं, इस प्रकार सभी शिक्षाओं में हमें एकता, करुणा और शांति का ही संदेश देता है।

राज्यपाल ने कहा कि हमारी सेना ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवाद और आतंकवाद फैलाने वालों पर कड़ा प्रहार कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां कर्नल सोफिया कुरेशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के माध्यम से ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी लगातार हम तक पहुंचा रही हैं और वे दोनों सशक्त भारत की सशक्त मातृशक्ति का प्रदर्शन भी कर रही हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जब भी हमारे राष्ट्र को युद्ध जैसे हालातों का सामना करना पड़ा, ऐसे समय में समाज के सभी मत, पंथ, समुदायों और संप्रदायों के लोगों ने मिलकर राष्ट्रीय एकता, भाईचारे और शांति का संदेश देना है। जब-जब देश पर संकट आया है, भारतवासियों ने धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र से ऊपर उठकर देशहित में एकजुट होकर उसका सामना किया है। हमारे वेदों में भी कहा है ''संगच्छ ध्वं संवदद ध्वं सं वो मनांसि जानताम्।'' अर्थात, ''हम सभी साथ चलें, एक मन से विचार करें, और एक लक्ष्य की ओर अग्रसर हो।'' धर्म का मूल उद्देश्य समाज में सत्य, प्रेम, करूणा और समरसता की स्थापना करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि त्रेता में भगवान श्रीराम ने रावण का वध कर धर्म की स्थापना की। द्वापरयुग में भगवान श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र में अधर्म के विरुद्ध अर्जुन को धर्म युद्ध के लिए प्रेरित कियाद्यगुरु गोविंद सिंह जी ने धर्म और देश की रक्षा हेतु अपने पूरे परिवार का बलिदान दिया। ईसा मसीह ने प्रेम और क्षमा का संदेश दिया और पैगम्बर मोहम्मद साहब ने समरसता का मार्ग दिखाया। हमारे सभी धर्मों द्वारा सदैव यही शिक्षाएं दी गई कि जब अधर्म सिर उठाए, तो चुप रहना भी अधर्म को बढ़ावा देना होता है। हमारा राष्ट्र सदैव ही धर्म, सत्य और न्याय के पक्ष में खड़ा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की वीर भूमि ने सदैव राष्ट्रभक्ति, बलिदान और त्याग का उदाहरण प्रस्तुत किया है। हमारे वीर सैनिकों ने प्रत्येक संघर्ष में राष्ट्र का गौरव बढ़ाया है आज हमें भी उनके साथ मजबूती से खड़ा होना है।

इस अवसर पर परमार्थ निकेतन के स्वामी चिदानंद मुनि ने कहा कि हम सब की पूजा पद्धति भले ही अलग हो परंतु हमारी भक्ति सिर्फ राष्ट्र भक्ति है। वहीं उत्तराखण्ड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष श्री शादाब शम्स ने कहा कि पूरी दुनिया में भारत से सुंदर मुल्क कोई नहीं है और हम सब भारत माता की संतान है।

इस अवसर पर बौद्ध धर्मावली श्री सोनम चोग्याल, ब्रदर जोसेफ एम. जोसेफ एवं सरदार गुरबक्श सिंह राजन ने भी अपने विचार रखते हुए भारत की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता को बनाए रखने की कामना की। इस अवसर पर सचिव श्री राज्यपाल श्री रविनाथ रामन, महानिदेशक सूचना श्री बंशीधर तिवारी सहित विभिन्न पंथों के अनुयायी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

संदीप गुप्ता ने दून डिफेंस अकादमी से निकलकर देश के सशस्त्र बलों में सेवाएं दे रहे अपने 14000 से अधिक छात्रों से की अपील

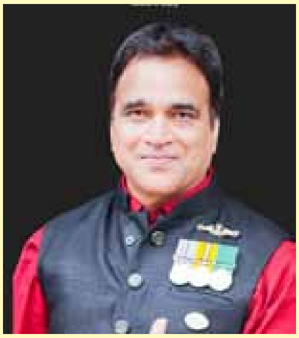

आज मैं अपने उन सभी छात्रों का स्वागत करना चाहता हूँ जो इस समय भारतीय सशस्त्र बलों में हैं, सभी रैंकों में, सेना, नौसेना, वायु सेना, पूरी दुनिया में। और मुझे पता है कि बहुत सारे छात्र इस ऑपरेशन सिंदूर में भाग लेंगे, चाहे वह नौसेना, वायु सेना या सेना के माध्यम से हो। और जब वे दून डिफेंस अकादमी में आए थे, तो वे इस दिन का इंतजार कर रहे थे, जब उन्होंने वर्दी पहनी थी, वह दिन आएगा, उस वर्दी का कर्ज चुकाने का, उस देश का कर्ज चुकाने का। और बहुत सारे छात्रों को यह अवसर मिला होगा। और उन्हें यह अवसर भविष्य में भी मिलेगा। क्योंकि खतरा अभी टला नहीं है। पाकिस्तान ने जो हरकत की है, गैर-अनुपालन का काम किया है, नागरिकों, निर्दोष लोगों की हत्या की है, उसका बदला कल ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने लिया है। यह भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना द्वारा लिया गया था। इसलिए, मैं, संदिप गुप्ता, निदेशक (दून डिफेंस अकादमी, देहरादून), अपने सभी छात्रों, विशेष रूप से मेरे डीडीए डायमंड्स को बधाई देना चाहता हूँ, जो आज वर्दी पहनकर देश की सेवा कर रहे हैं। और मैं उन सभी छात्रों को बधाई देना चाहता हूँ जो भविष्य में भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होना चाहते हैं। आज आपका दिन है, यह आपका समय है। और अब वह समय है जब आपको कुछ और करना है। और आपने जो प्रशिक्षण लिया है, वर्दी पहनने के बाद जो शपथ ली है, जो शपथ ली है, उसे पूरा करने का समय आ गया है। तो बच्चों, आपके माता-पिता, भारतीय सेना और डीडीए को आप पर गर्व है। और भविष्य में भी अपना साहस दिखाते रहिए, जिसके लिए आप भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल हुए हैं। हमारा समय समाप्त हो गया है। जब हम भारतीय नौसेना में थे, तो हमने अपने समय में ऐसे कई ऑपरेशनों में भाग लिया था। और अब हम आने वाले प्रशासन की तैयारी कर रहे हैं। पिछले 20 वर्षों में, 14,000 से अधिक प्रशासक भारतीय सशस्त्र बलों में हैं और अपने देश की सेवा कर रहे हैं। ऐसे ऑपरेशन, प्रत्येक ऑपरेशन, प्रत्येक पदक उनकी वर्दी पर लाएंगे। इसलिए, चलते रहिए, पूरा देश आपके साथ है। और खास तौर पर मैं प्रधानमंत्री मोदी जी को, पूरी कैबिनेट को, तीनों सेनाओं के प्रमुखों को, सबको बधाई देना चाहता हूँ कि आपने बहुत बढ़िया काम किया है। और अगर जरूरत पड़ी तो हम सभी भूतपूर्व सैनिक फिर से सेना में जाने के लिए तैयार हैं। और अगर जरूरत पड़ी तो हम फिर से लड़ने के लिए तैयार हैं।

दिव्यांग बच्चों के चेहरों पर आई मुस्कान

अनुश्रुति विद्यालय में दिव्यांग बच्चों के चेहरों पर आई मुस्कान रुड़की, ब्रह्माकुमारीज व उत्तराखंड शासन के सहयोग से उत्तराखंड दिव्यांग सेवा टीम के सेवाधारियों ने रुड़की आईआईटी के अनुश्रुति विद्यालय में दिव्यांग बच्चों को राजयोग का अभ्यास कराने के साथ ही उन्हें रौचक खेल सिखाये और खेल प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरूस्कृत भी किया। ग्रुप कैप्टन बीके सूर्य प्रकाश राव ने दिव्यांग बच्चों को विशेष गुणवान बताया और उनकी प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं से कराया। उन्होंने कहा कि हम एक दिन मौन रखकर स्वयं को शक्तिशाली अनुभव करते हैं , साथ ही हमे शान्ति की अनुभूति भी होती हैं। कार्यक्रम में बच्चों को एक प्रेरक बाल फ़िल्म भी दिखाई गई। खेलो व लेखन प्रतियोगिता में सर्वोत्तम रहे बच्चों को अनुश्रुति विद्यालय की प्रधानाचार्या विभूति सैनी, विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति श्रीगोपाल नारसन, शिक्षाविद यशपाल सिंह, पूर्व प्रधानाध्यापक महेंद्र सिंह सैनी, कमलेश कुमारी, कालू चौधरी, सोंविक मैटी, साधना, मीरा,स्नेह, शाजिया फरहत, रेणु सूद, नीलिमा अग्रवाल, रुचि त्यागी, आशा मेहता,मुक्ता गुप्ता, शीला सैनी आदि का योगदान सराहनीय रहा।

'यूसर्क एग्रो इकोलॉजी एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेन्टर' के अंतर्गत 'प्लांट टिश्यू कल्चर, मशरूम स्पॉन प्रोडक्शन एवं वर्मी कंपोस्ट' विषय पर साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

युवाओं को नई तकनीकों से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होगा 'गार्डनर टेक्नोलॉजी' प्रशिक्षण कार्यक्रमः डॉ. जेएमएस राणा

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) द्वारा सीआईएमएस, देहरादून में स्थापित किए गए यूसर्क एग्रो इकोलॉजी इंटरप्रैन्योरशिप डेवलपमेंट सेन्टर के अंतर्गत 'प्लांट टिश्यू कल्चर, मशरूम स्पॉन प्रोडक्शन एवं वर्मी कंपोस्ट' विषय पर आयोजित 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल सपामन हो गया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. जे.एम.एस. राणा ने यूसर्क की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को नई तकनीकों से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह आपके लिए बहुत बड़ा अवसर है। टिश्यू कल्चर आज की बहुत बड़ी तकनीक है। और यह बहुत सरल भी है। आज के विज्ञान की भाषा में इसे 'गार्डनर टेक्नोलॉजी' कहते हैं। कोई भी माली, जो अपने परिवेश के प्रति सजग हो, वह इस तकनीक को कर सकता है। लेकिन इस तकनीक के प्रभाव देखिए, आप ऐसे पौधों को बचा सकते हैं जिनके बीज नहीं होते। रेड डाटा बुक में गए पौधों को फिर से उगाया जा सकता है। आप सोचिए, इसकी कितनी विशाल संभावनाएं हैं। यह आप पर निर्भर करता है कि आप इसका कितना उपयोग करना चाहते हैं। उन्होंने मशरूम पर बात करते हुए कहा कि बाजार में मशरूम 50 से 100 रुपये प्रति किलो मिलती है। लेकिन कुछ मशरूम हजारों से लाखों रुपये प्रति किलो बिकती हैं। जो लोग मशरूम की न्यूट्रिशन, मेडिसिनल एप्लिकेशन और अन्य संभावनाएं समझते हैं, उनके लिए आसमान भी सीमा नहीं है।

प्रो. राणा ने कहा आपने तीसरा प्रशिक्षण वर्मी तकनीक का लिया, गांवों में लोग 20-25 किलो की रिंगाल की टोकरी भरकर खेत में डालते हैं। लेकिन बर्मीज़ के साथ आप वही पोषण हाथ के बैग से खेत में पहुंचा सकते हैं। आपको केवल इसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझना है।

यूसर्क की निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत ने यूसर्क द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न वैज्ञानिक कार्यक्रमों और पहलों की जानकारी प्रतिभागियों के साथ साझा की। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण आपकी सफलता और उज्ज्वल भविष्य के नए मार्ग प्रशस्त करेगा। इस प्रकार के प्रशिक्षण आपके वैज्ञानिक दृष्टिकोण को व्यापक बनाएंगे, और आपके कौशल का विकास करेंगे।

कार्यक्रम में सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन एडवोकेट ललित मोहन जोशी ने प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के लिए यूसर्क का धन्यवाद अदा किया, और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदेश में जैव प्रौद्योगिकी, सतत कृषि एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम के दौरान एफआरआई, देहरादून की वैज्ञानिक डॉ. मोनिका चौहान ने प्रशिक्षुओं को प्लांट टिश्यू कल्चर, टैक्जीन के सीनियर वैज्ञानिक प्रशांत कुमार चौधरी ने मशरूम स्पॉन उत्पादन, एनजीपी मृदा प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर गौरव सुयाल ने वर्मी कम्पोस्ट से संबंधित तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने इन विषयों में संभावनाओं, तकनीकी चुनौतियों और समाधान पर गहराई से प्रकाश डाला। साथ ही प्रयोगशाला में प्रशिक्षणार्थियों को हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग कराई।

अतिथियों द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित समस्त प्रतिभागियों प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किये। कार्यशाला में बी.एल.जे. सरकारी पीजी कॉलेज पुरोला, उत्तरकाशी से 7, डी.ए.वी. (पी.जी.) कॉलेज, देहरादून से 2, देवभूमि उत्तराखंड विश्वविद्यालय से 7, दून विश्वविद्यालय से 4 प्रशिक्षणार्थी सहित कुल 20 विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीआईएमएस कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल के प्रधानाचार्य डॉ. के. एस. नेगी, यूसर्क एग्रो इकोलॉजी इंटरप्रैन्योरशिप डेवलपमेंट सेन्टर सीआईएमएस एंड आर देहरादून के केन्द्र समन्वयक डॉ. रंजीत कुमार सिंह, सह सहमन्वयक डॉ. दीपिका विश्वास, कमल जोशी एवं सीआईएमएस के शिक्षक गण उपस्थित रहे।

जानिए कैसा होगा आपका यह सप्ताह

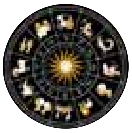
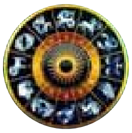
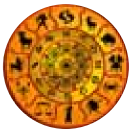

पं. दीपक प्रसाद, शास्त्री (मो. 9557730042)
(ज्योतिष, कर्मकाण्ड, धर्मिक अनुष्ठान आदि)

मेष राशि- राजनीति से जुड़े लोगों का प्रभुत्व बढ़ेगा। किसी रिश्तेदार के यहां धार्मिक उत्सव में जाने का प्रोग्राम भी बन सकता है। कहीं फंसा हुआ पैसा मिलने से आर्थिक स्थिति और अधिक बेहतर होगी। बड़े बुजुर्गो का भी उचित मान-सम्मान बनाकर रखें। वर्तमान गतिविधियों पर अपना ध्यान केंद्रित रखें। प्रेम संबंधों में किसी बात को लेकर दूरियां आ सकती हैं।

वृषभ राशि- जमीन-जायदाद और निवेश जैसी गतिविधियों में व्यस्तता रहेगी। संतान संबंधी कोई खुशखबरी भी मिल सकती हैं। कोई नुकसान होने पर उसके जिम्मेदार आप खुद ही रहेंगे। व्यवसायिक गतिविधियों में वृद्धि होगी। कोई महत्वपूर्ण डील भी हो सकती हैं है। मार्केटिंग संबंधी कार्य थोड़ी सी ही मेहनत से संपन्न हो जाएंगे। दांपत्य जीवन सुखमय होगा।

मिथुन राशि- प्रॉपर्टी संबंधी लेनदेन के कार्यों में फायदेमंद डील हो सकती है। अपनी भावनाओं पर काबू रखना जरूरी है। इसलिए अपने विचारों पर मनन करते रहे। विद्यार्थी मौज मस्ती की वजह से अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएंगे। जल्दी ही इसके फायदेमंद परिणाम भी सामने आएंगे। प्रेम संबंध को विवाह में परिणित करने हेतु योजनाएं बनेंगी।

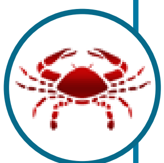

कर्क राशि- आज आपके लिए सफलता का कोई द्वार खुलने वाला है। हर काम को प्रैक्टिकल तरीके से पूरा करने की कोशिश करें। संतान पक्ष की तरफ से भी कोई संतोषजनक समाचार मिलेगा। अपने क्रोध व आवेश पर जरूर नियंत्रण रखें। परिवार के रखरखाव से संबंधित मामले में बाहरी लोगों पर अधिक भरोसा ना करें। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें।

सिंह राशि- मन पर नियंत्रण रखने की बजाय अपनी इच्छाओं को पूरा करने का भी प्रयास करें। सामाजिक तथा सोसाइटी की गतिविधियों में अपना योगदान देने से संपर्क का दायरा बढ़ेगा। व्यापार में विस्तार के लिए कुछ नई योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अच्छे अवसर मिलने पर ज्यादा सोच विचार करना उचित नहीं है। एक्स्ट्रा मेरिटल अफेयर आपकी दिक्कते बडायेगा।

कन्या राशि- अपने जनसंपर्क को और अधिक मजबूत करें। अन्य कार्यों में व्यस्त रहने के साथ-साथ बच्चों की गतिविधियों पर भी ध्यान रखें। व्यवसाय संबंधी योजना चल रही है, तो उसे कार्य रूप देने की कोशिश करें। आर्थिक रूप से आज का दिन उत्तम है। प्राकृतिक चीजों का अधिक से अधिक सेवन करें। पति-पत्नी के बीच किसी गलतफहमी को लेकर तनाव रहेगा।

तुला राशि- विद्यार्थियों को करियर संबंधी किसी समस्या का समाधान मिलने से उत्साह में वृद्धि होगी। व्यक्तित्व में भी निखार लाने के प्रयास सफल रहेंगे। दिनचर्या को व्यवस्थित बनाकर रखना भी जरूरी है। कोई योजना बनाने से पहले उस पर गंभीरता से विचार अवश्य कर लें। फाइनेंस संबंधी गतिविधियों में किसी पर भी भरोसा करने से पहले सोच-विचार अवश्य करें।

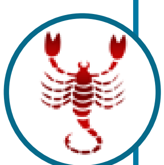

वृश्चिक राशि- युवाओं को अपने करियर को लेकर किए गए प्रयासों में कोई शुभ सूचना मिलने वाली हैं। अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए आपको अतिरिक्त प्रयास भी करना पड़ सकता है। व्यवसायिक क्षेत्र में आपके कार्य करने की नई तकनीक सफल रहेगी। नौकरी पेशा लोगों को कार्यभार की अधिकता की वजह से ओवरटाइम करना पड़ेगा।

धनु राशि- थोड़ा धैर्य बनाकर रखना आवश्यक है। व्यवसाय में किसी नए प्रोजेक्ट संबंधी ठोस तथा महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम रहेंगे। नौकरी में लक्ष्य अथवा टारगेट को पूरा करने का दबाव बना रहेगा। घर में सुख-शांति भरा वातावरण रहेगा। कभी-कभी काम के बोझ की वजह से तनाव रहेगा। योगा और मेडिटेशन का सहारा लें।

मकर राशि- परिस्थितियों का पूर्ण अवलोकन करते रहे तथा आलस को हावी ना होने दें। आप अपने व्यक्तिगत कार्यों की वजह से आज व्यवसाय में ध्यान नहीं दे पाएंगे, जिसकी वजह से आपके महत्वपूर्ण काम रुक सकते हैं। प्रतियोगिता की तैयारी कर रही युवाओं को करियर संबंधी कोई खुशखबरी मिलने की संभावना है। कुछ समय अपने आराम के लिए भी जरूर निकालें।

कुंभ राशि- अपनी ऊर्जा और क्षमता का भरपूर सदुपयोग करें तथा लापरवाही और आलस अपने ऊपर हावी ना होने दें। व्यवसायिक गतिविधियां बेहतर होंगी। नौकरी में किसी सहयोगी की गतिविधियों से आप परेशानी में पड़ सकते हैं। पति-पत्नी का एक दूसरे के प्रति सहयोग और विश्वास घर की सुख-शांति को बनाकर रखेगा। अपनी दिनचर्या व्यवस्थित रखें।

मीन राशि- धार्मिक कार्यों के प्रति भी रुझान बढ़ेगा। समय अनुसार अपने व्यवहार और दिनचर्या में परिवर्तन लाना बहुत ही जरूरी है। व्यवसाय में वर्तमान गतिविधियों पर ही ध्यान दें तथा पार्टनरशिप संबंधी कार्य में पुराने मुद्दों को नजरअंदाज करें। पारिवारिक सदस्यों में मनमुटाव की स्थिति रहेगी। छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेने की आदत में सुधार लाएं तथा सकारात्मक बने रहें।

ऑपरेशन सिंदूर पर बन रही फिल्म का एलान, पोस्टर जारी होते ही भड़के लोग तो डायरेक्टर ने मांगी माफी

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सैन्य बलों का मिशन ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा लेकिन इसके बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव जारी है। इस बीच ऑपरेशन सिंदूर पर एक फिल्म का भी एलान कर दिया गया है। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच फिल्म के एलान करने के बाद डायरेक्टर ने माफी मांगी है।

हाल ही में एक खबर आई थी कि ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने के लिए कई फिल्म स्टूडियो के बीच होड़ सी लग गई है। बीते दिन ऑपरेशन सिंदूर पर बन रही फिल्म का एलान भी कर दिया गया। यही नहीं, पोस्टर भी जारी हो गया। ऐसे में अब फिल्म के डायरेक्टर उत्तम माहेश्वरी ने माफी मांगी है।

दरअसल, उत्तम माहेश्वरी ने ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के मात्र दो दिन में ही अपनी फिल्म का एलान कर दिया। 7 मई को हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही भारत-पाकिस्तान के बीच टेंशन चल रहा है। इस माहौल में ऑपरेशन सिंदूर फिल्म का एलान करना डायरेक्टर को भारी पड़ गया। उन्हें बुरी तरह ट्रोल किया जा रहा था जिसके बाद अब आखिरकार उन्होंने माफी मांग ली है।

ऑपरेशन सिंदूर के डायरेक्टर ने मांगी माफी

उत्तम माहेश्वरी ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ऑपरेशन सिंदूर फिल्म को लेकर माफी मांगी है। उन्होंने एक लंबे-चौड़े नोट में लिखा, 'हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित एक फिल्म की घोषणा करने के लिए मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं, जो हमारे भारतीय सशस्त्र बलों के हालिया वीरतापूर्ण प्रयासों से प्रेरित है। मेरा मकसद कभी भी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना या भड़काना नहीं था।'

पैसा-फेम के लिए नहीं बना रहे फिल्म

ऑपरेशन सिंदूर के डायरेक्टर ने आगे कहा, 'बतौर फिल्ममेकर मैं हमारे सैनिकों और नेतृत्व के साहस, बलिदान और शक्ति से बहुत प्रभावित हुआ और बस इस शक्तिशाली कहानी को लाइट में लाना चाहता था। यह प्रोजेक्ट सिर्फ हमारे देश के लिए गहरे सम्मान और प्यार के लिए बनाया गया, ना कि फेम और पैसा कमाने के लिए। हालांकि, मैं समझता हूं कि समय और संवेदनशीलता ने कुछ लोगों को दर्द पहुंचाया होगा। इसके लिए मुझे बहुत अफसोस है।'

पीएम मोदी और सैन्य बलों के प्रति जताया आभार

उत्तम माहेश्वरी ने आखिर में कहा, 'यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है बल्कि यह पूरे देश की भावना है और वैश्विक स्तर पर देश की सामाजिक छवि है।' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सैन्य बलों को धन्यवाद किया और लिखा, 'हमारा प्यार और प्रार्थना हमेशा शहीदों के परिवारों के साथ-साथ उन बहादुर योद्धाओं के साथ रहेगी जो हमें एक नई सुबह देने के लिए दिन-रात सीमा पर लड़ रहे हैं।'

R.N.I.: UTTHIN/2010/41629 | Postal Regd. UA/DO/DDN/01/2025-2027

Silkyara™

BADRI COW GHEE

पारंपरिक बिलौना विधि द्वारा तैयार

औषधीय गुणों से परिपूर्ण

इम्यूनिटी एवं स्मरण शक्ति बढ़ाने में लाभदायक

विटामिन्स से भरपूर

सभी प्रकार के खाना पकाने के लिए आदर्श

कुमार स्वीट्स
सहस्त्रधारा रोड पर उपलब्ध

उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र का बना दुर्लभ घी

fssai 22623030001586

UDYOG AADHAR MSME UK050061483

Call or Whatsapp
7409782771